आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्य: 2 ₹

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

महाराष्ट्र-झारखंड : मुश्किल में भाजपा

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 43 ● नई दिल्ली ● 27 अक्तूबर से 02 नवंबर 2024

चुनाव से पहले शरद पवार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार से कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में घड़ी चिह्न का इस्तेमाल कर सकती है। लेकिन उसे चुनावी बैनर और पोस्टर्स में यह लिखना होगा कि यह विवाद का विषय है और कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट शरद गुट की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया था कि अजित गुट अदालत का आदेश नहीं मान रहा है, इसलिए उसे विधानसभा चुनाव में घड़ी चिह्न के इस्तेमाल से रोका जाए। साथ ही अजित गुट को नए चिह्न के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया जाए। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और उज्जवल भुइयां की बेंच ने अजित पवार के वकील को निर्देश दिया कि अजित गुट नया हलफनामा भी दाखिल करे। साथ ही चेतावनी दी कि यदि आदेश का उल्लंघन किया गया तो वह खुद ही अवमानना का केस शुरू करेगी। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी। जस्टिस सूर्यकांत ने सिंह से कहा- एक बार जब हमने निर्देश जारी कर दिया, तो उसका पालन करना होगा। आप जवाब दाखिल करें और एक नया हलफनामा दें कि अतीत में भी आपने उल्लंघन नहीं किया है। और भविष्य में भी आप उल्लंघन नहीं करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष हमारे निदेशों का पालन करेंगे। अपने लिए शर्मनाक स्थिति न बनाएं।

॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में बीजेपी विधानसभा चुनाव हार रही है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि हार को देखते हुए महाराष्ट्र और झारखंड में गड़बड़ी की कोशिश की जा रही है। साथ ही राउत ने महाराष्ट्र चुनाव की घोषणा में देरी और नई सरकार के गठन के लिए बेहद कम समय निर्धारित करने को भी बीजेपी की चाल बताया है।

मुंबई में मीडिया से मुखातिब संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और जो उनके साथ हैं वह चुनाव हारने जा रहे हैं। वह किसी भी हालत में चुनाव

नहीं जीत रहे हैं। लोकसभा में ये लोग हार गए, हमने उनको हराया। लेकिन विधानसभा में भी ये हार रहे हैं, तो क्या कर रहे हैं ये आपको मालूम है? ये लोग चुनाव आयोग से हाथ मिलाकर वोटर लिस्ट में गड़बड़ और घोटाले कर रहे हैं। चुनाव आयोग उनकी मदद कर रहा है। संजय राउत ने कहा कि लगभग 150 विधानसभा सीटों पर बीजेपी चुनाव लड़ेगी, जिन-जिन विधानसभा सीटों पर बीजेपी चुनाव लड़ने जा रही वह उन क्षेत्रों में ऐसे वोटरों को ढूंढ रहे हैं, जिन्होंने लोकसभा में महाविकास अघाड़ी को वोट दिया है। राउत की मानें तो वोटर लिस्ट में भी गड़बड़ी की जा रही है। ऐसे विधानसभा क्षेत्रों से 10 हजार वोटर्स को निकाल रहे हैं और उनकी जगह पर 10 हजार फर्जी वोटर डाल

शेष पृष्ठ 2 पर

मधु कोड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका: नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

॥ उमेश जोशी ॥

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कोयला घोटाला मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। निचली अदालत द्वारा तीन साल की सजा काट रहे कोड़ा ने आगामी राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। कोड़ा ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पिछले फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमें उनकी सजा पर रोक लगाने की याचिका को खारिज कर दिया गया था, ताकि वे चुनाव लड़ सकें।

उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि यह अनुरोध निराधार था, क्योंकि इसमें सिर्फ कोड़ा के चुनाव लड़ने

की योग्यता पर ही ध्यान केंद्रित किया गया था। कोड़ा को दिसंबर 2017 में भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत दोषी ठहराया गया था, जो 2006 से 2008 तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कोलकाता स्थित विनी आयरन एंड स्टील लिमिटेड को कोयला ब्लॉक के आवंटन से संबंधित एक मामले में दोषी ठहराया गया था। दिल्ली की एक विशेष सीबीआई अदालत ने कोड़ा को तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 18 अक्टूबर को कोड़ा की उस प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया था जिसमें उन्होंने सजा पर रोक लगाने का अनुरोध किया था ताकि वे 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होने वाले झारखंड विधानसभा चुनावों में नामांकन पत्र दाखिल कर सकें। कोड़ा की कानूनी टीम ने तर्क दिया कि सजा के खिलाफ उनकी अपील अभी भी लंबित है और अन्य बातों के अलावा, मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। उन्होंने तर्क दिया कि कोड़ा को चुनाव लड़ने की अनुमति न देने से न केवल उनके सार्वजनिक जीवन में बने रहने के अधिकार पर असर पड़ा है, बल्कि मतदाताओं के उन्हें चुनने के अधिकार पर भी असर पड़ा है।

अजित पवार ने दिया बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान को टिकट

॥ विनीता यादव ॥

अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए सात उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की। हाल ही में अपनी पार्टी से निष्कासित किए गए पूर्व कांग्रेस विधायक जीशान सिद्दीकी एनसीपी में शामिल हो गए और मुंबई की बांद्रा ईस्ट सीट से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार वरुण सरदेसाई से होगा, जो आदित्य ठाकरे के चचेरे भाई हैं। अभी दो हफ्ते पहले ही जीशान को एक निजी त्रासदी का सामना करना पड़ा था, जब उनके पिता, पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की उनके कार्यालय के बाहर बदमाशों ने हत्या कर दी थी।

इस घटना ने उनके राजनीतिक भविष्य पर अटकलों को हवा दे दी, क्योंकि जीशान पहले भी अजीत पवार के साथ एक रैली में दिखाई दिए थे, जो एनसीपी की ओर उनके झुकाव का संकेत था, हालांकि उन्होंने अब तक आधिकारिक तौर पर एनसीपी ज्वाइन नहीं की थी। शिवसेना (यूबीटी) द्वारा सरदेसाई को बांद्रा ईस्ट से महा विकास अघाड़ी (एमवीए) उम्मीदवार घोषित करने के बाद, जीशान ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की, यह सुझाव देते हुए कि पार्टी के साथ उनका लंबे समय से चला आ रहा गठबंधन बदल गया है।

एक अन्य उल्लेखनीय कदम में, विधायक नवाब मलिक की बेटी सना मलिक अपने पिता के अनुशक्तिनगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी, क्योंकि पहली सूची में उनका नाम नहीं आने से कुछ सवाल उठे थे। नवाब मलिक के शिवाजी नगर-मानखुर्द में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर खड़े होने की उम्मीद है, जहां वह समाजवादी पार्टी के अबू आजमी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं। एनसीपी की सूची में अतिरिक्त उम्मीदवारों में पूर्व भाजपा सांसद संजय काका पाटिल (तासगांव-कवथे महांकाल से चुनाव लड़ रहे हैं) और प्रताप पाटिल-चिखलीकर (लोहा से) शामिल हैं।

गिरिराज सिंह-नीतीश राज में कोई फर्क नहीं : लालू

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के राज और नीतीश कुमार के राज में कोई फर्क नही है।

पत्रकारों द्वारा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिन्दू स्वाभिमान यात्रा और सांसद प्रदीप कुमार सिंह के एक बयान से जुड़े प्रश्न के जवाब में राजद अध्यक्ष लालू यादव ने कहा कि गिरिराज सिंह के राज में और नीतीश कुमार के राज में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा , गिरिराज सिंह की आदत है, इसी तरह की बात बोलते रहता है। हिंदू-मुस्लिम सब रहेगा।

दंगा फसाद कराने से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव ने सवालिया लहजे में कहा कि हम लोगों के रहते दंगा-फसाद कैसे करा देगा?

तेजस्वी यादव कह रहे हैं अगर कुछ भी हुआ तो इसके जिम्मेदारी सीएम नीतीश कुमार हैं। इस पर लालू यादव ने कहा

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

भाजपा का सदस्यता अभियान फर्जी

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आजकल राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ साहित भाजपा के अनेक बड़े नेता पार्टी के सदस्य अथवा सक्रिय सदस्य बन चुके हैं। परन्तु एक बार फिर भाजपा का यह सदस्यता अभियान विवादों में पड़ गया है। भाजपा इस सदस्यता अभियान के माध्यम से यह साबित करना चाहती है कि भारतीय जनता पार्टी ही विश्व का सबसे बड़ा व सबसे अधिक सदस्यों वाला राजनैतिक दल है। और इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिये पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा झूठ व अनैतिकता की सभी हदों को पार किया जा रहा है। आश्चर्य है कि हाल में हुये लोकसभा चुनावों में 63 लोकसभा सीटें गंवाने के बावजूद अभी भी भाजपा न जाने किस आधार पर अपने सदस्यों की संख्या में इजाफा करना चाह रही है ?

दरअसल कई राज्यों में भाजपा, सदस्यता अभियान में निर्धारित अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पा रही है। इसके लिये उसके नेता व कार्यकर्त्ता साम दाम दंड भेद सभी हथकंडे अपनाकर किसी भी तरह से सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी करना चाह रहे हैं। मिसाल के तौर पर गुजरात में 2 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य पार्टी द्वारा निर्धारित किया गया था। गुजरात भाजपा ने सदस्यता अभियान के तहत पिछली बार से ज्यादा सदस्य बनाने के लिए खास योजना बनाई है। सरपंच से लेकर सांसद तक सभी 100-100 प्राथमिक सदस्य बनाएंगे। परन्तु इस लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं था। एक रिपोर्ट के अनुसार भावनगर में स्थानीय नेता 100 सदस्य जोड़ने के लिए 500 रुपये भी ऑफर कर रहे हैं क्योंकि निर्धारित तिथि 15 अक्टूबर तक 2 करोड़ का लक्ष्य पूरा करने के लिये प्रतिदिन 8 लाख से अधिक सदस्य बनने जरूरी थे। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपाई जिस स्तर तक गये हैं उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गुजरात में कई शहरों में स्कूली बच्चों तक को सदस्यता दिला दी गई। अनेक लोगों को तो उनका केवल फोन नंबर लेकर ही बिना बताए उन्हें भाजपा का सदस्य बना दिया गया। यह रहस्य तब उजागर हुये जब अपनी सदस्यता से अनजान कई छात्रों व आम लोगों के मोबाइल पर भाजपा का सदस्य बनने से सम्बंधित बधाई संदेश आने लगे।

गुजरात में न केवल स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों तक को सदस्य बनाया गया बल्कि अस्पताल के मरीजों , नर्मदा में ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यकर्ता और भावनगर में 100 नए सदस्यों को नामांकित करने के लिए स्थानीय पार्टी नेताओं द्वारा 500 रुपये देने की योजना तक शामिल थी। खबरों के अनुसार जब एक महिला अपने पति के साथ रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए विसनगर के एक जन स्वास्थ्य केंद्र गयी तभी एक कर्मचारी ने उनका मोबाइल नंबर पूछा और फिर मोबाइल पर आया ओटीपी माँगा। और जैसे ही उन्होंने ओटीपी शेयर किया उसी समय मरीज को भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनने के लिए बधाई संदेश मिला। हालांकि मरीज महिला के पति ने सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा उन्हें चुपके से भाजपा सदस्य बनाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों और रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) से बात करते हुए अपने फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया कि उन्हें बिना बताए या उनकी सहमति के बिना उन्हें भाजपा सदस्य के रूप में क्यों नामांकित किया गया। रोगी के पति विकुंभ दरबार ने घटना के बाद स्थानीय मीडिया को बताया कि 'आज सुबह, मैं और मेरी पत्नी एंटी रेबीज इंजेक्शन के लिए विसनगर सिविल अस्पताल गए क्योंकि उन्हें कुत्ते ने काट लिया था। पहली बार, हमें इंजेक्शन पाने के लिए एक ओटीपी साझा करने के लिए कहा गया था। शुरू में, हमें रजिस्टर में चेक इन करने के लिए कहा गया था, और जब हम इंजेक्शन के लिए आगे बढ़े, तो अस्पताल के कर्मचारी ने एक ओटीपी मांगा। मैंने पूछा कि इसकी आवश्यकता क्यों है, इसपर उस ने जवाब दिया कि - यदि आप इंजेक्शन चाहते हैं, तो आपको ओटीपी प्रदान करना होगा। जब मैंने इस नियम पर सवाल उठाया, तो उन्होंने दावा किया कि यह एक नया सिविल अस्पताल विनियमन है।

इसी तरह गुजरात में ही राजकोट के जूनागढ़ के रणछोड़ दास ट्रस्ट अस्पताल का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि राजकोट के इस अस्पताल में आंख के मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने गए 250 मरीजों को रात में नींद से उठाकर बीजेपी का सदस्य बना दिया गया। इसका खुलासा उस समय हुआ जबकि एक मरीज ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। कमलेश भाई ठुम्मर अपनी आंखों का ऑपरेशन कराने इसी अस्पताल में गए थे। जहां उनके साथ 250 से ज्यादा और भी मरीज भर्ती थे। कमलेश के मुताबिक आधी रात को एक व्यक्ति आया और अचानक सभी मरीजों को नींद से उठाकर उनसे ओटीपी मांगने लगा। मुझसे (कमलेश भाई) भी ओटीपी पूछा। जब मैंने ओटीपी भेज दिया तो फोन में मैसेज आया कि बधाई हो,आप बीजेपी के सदस्य बन गए हैं। जब कमलेश ठुम्मर ने मैसेज देखकर उस व्यक्ति से पूछा कि क्या आप बीजेपी का सदस्य बना रहे हो? तब उसने जवाब दिया कि -इसके बिना उद्धार नहीं। यदि किसी मरीज को ओटीपी नहीं पता चलता था, तो वह कर्मचारी स्वयं मरीज का फोन अपने हाथ में ले लेता और उसे भाजपा का सदस्य बना देता। इस कर्मचारी ने वार्ड के 200 से 250 मरीजों को बीजेपी का सदस्य बना दिया। कहना गलत नहीं होगा कि इस जबरन भाजपा सदस्य बनाने के इस अभियान में अस्पताल की भी मिलीभगत जरूर रही होगी।

इसी तरह मध्य प्रदेश में भी जोर जबरदस्ती से सदस्यता अभियान चलाये जाने की खबर है। यहाँ भी युवाओं को सदस्यता अभियान से जुड़ने और नये सदस्य बनाने के लिये 3000 से लेकर 5000 रुपए तक के ऑफर दिये जाने की खबर है। भारतीय जनता पार्टी सरकारी कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, हितग्राही लाड़ली बहनें,मुफ़्त राशन प्राप्त करने वालों, सभी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वालों आदि को जबरन या धोखे से पार्टी सदस्य बनाने पर तुली हुई है। हद तो यही है कि भाजपा अब आधी रात में सोते हुये मरीजों को भी चैन की नींद नहीं सोने दे रही है। यानी इलाज और ऑपरेशन बाद में भी होता रहेगा, आराम भी बाद में कर लेना, पहले अपने मोबाइल पर आया ओटीपी दे दीजिए। देश भर से मिलने वाली इस तरह की और भी खबरें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि भाजपा का सदस्यता अभियान दरअसल झूठ की बुनियाद पर टिका हुआ है।

पृष्ठ 1 का शेष

महाराष्ट्र-झारखंड : मुश्किल में भाजपा

रहे हैं। कोशिश ये है कि जहां से हमारी जीतने की संभावना है वहां से कम हो जाए। यह सबसे बड़ा घोटाला हमारे लोकतंत्र में चुनाव आयोग की मदद से होने जा रहा है।

संजय राउत ने आगे कहा कि हम यह मुद्दा सिर्फ देश में नहीं, इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर भी लेकर जाएंगे। देश में क्या हो रहा है, यह गांधी, नेहरू का देश है। यह डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का संविधान मानने वाला देश है, यह लोग किस तरह से लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं। चुनाव आयोग गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है, तो मुझे लगता है उसके लिए अमित शाह ज़िम्मेदार हैं। राउत ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, आपको हम से लड़ना है तो मर्द की तरह सामने आइए और चुनाव लड़िए। लोगों में जाकर लड़िए। आप हारने के डर से अगर घोटाले करेंगे तो देश, देश नहीं रहेगा।

संजय राउत ने आगे कहा कि 20 तारीख को महाराष्ट्र में चुनाव होगा और 23 तारीख को वोटों की गिनती होगी। हम सरकार बनाने जा रहे हैं। लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन के लिए केवल 48 घंटे का समय निर्धारित किया जाना बीजेपी की चाल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार बनाने का दावा करने में असमर्थ हो जाए।

मौजूदा महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होना हैं और 23 नवंबर को मतगणना होगी। राउत ने आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि महा विकास आघाडी को सरकार बनाने के बारे में चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए समय समिति करने की रणनीति है। अगर एमवीए के घटक दावा करने में विफल रहते हैं, तो राज्यपाल छह माह के लिये राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करेंगे। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी एमवीए को सत्ता में वापस आने से रोकने के लिए यह कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, निर्वाचन आयोजन ने चुनाव कार्यक्रम इस तरह तय किए हैं कि यह एमवीए के प्रभावी रूप से सरकार बनाने के अवसर को सीमित कर देता है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि मतगणना 23 नवंबर को होगी, जिसका मतलब है कि एमवीए के घटक दलों - शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और अन्य छोटे दलों के पास सरकार बनाने के लिए केवल 48 घंटे होंगे। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि, निर्वाचन आयोग का यह कदम भाजपा प्रवक्ता के समान है। आयोग ईवीएम का समर्थन करता है, लेकिन जब हम हरियाणा चुनावों में इन मशीनों के साथ कथित छेड़छाड़ के बारे में कहते हैं तो यह चुप्पी साध लेता है। आयोग ने लोकसभा चुनावों के दौरान धन के दुरुपयोग की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की। राउत ने दावा किया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के चुनावों की घोषणा से ठीक पहले लगभग 200 विधानसभा क्षेत्रों में 15 करोड़ रुपये वितरित करने का फैसला किया और यह सरकार का धन था।

उधर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद अखिलेश यादव लगातार इंडिया गठबंधन की मजबूती का दावा कर रहे हैं। इन सबके बीच अखिलेश यादव ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में भाजपा की महा हार होने वाली है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा हारने वाली है, भाजपा गठबंधन हारने वाला है, वहां महाहार होने वाला है। वहीं, सपा नेता ने भाजपा के बटोगे तो कटोगे वाले नारे पर भी पलटवार किया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जब भाजपा के पास बेरोजगारी, महंगाई, सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, अग्निवीर, आरक्षण, संविधान पर कोई जवाब नहीं है तो ये सब उनकी प्रयोगशाला में इस तरह से तैयार किया जाता है। हमें पता लगाना होगा कि उनकी प्रयोगशाला कहां है। ये उनकी रिसर्च लैब का नारा है। और उसी रिसर्च लैब ने ये नारा दिया और कहा कि ये हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के चेहरे पर सबसे अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि पीडीए की रणनीति भाजपा के घटिया नारों का मुकाबला करेगी और ये भाजपा वाले जानबूझ कर नफरत फैलाना चाहते हैं।

गिरिराज सिंह-नीतीश...

कि वह ठीक बोले हैं। इससे पहले बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सांसद प्रदीप सिंह के बयान को लेकर कहा था कि भाजपा के एक सांसद ने बिहार में माहौल बिगाड़ने के लिए भड़काऊ बयान दिया और उस सांसद को नीतीश कुमार ने अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया करा दी।

उन्होंने कहा, इस देश की मिट्टी में सबकी महक और आजादी में सबका योगदान है। मैं प्रत्येक व्यक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि जब तक मेरी सांस है, मैं बिहार को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने वाले हर व्यक्ति के सामने डट कर खड़ा रहूंगा।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर अररिया में रहना है तो हिन्दू बनना होगा। हिन्दू स्वाभिमान यात्रा के तहत कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी शिरकत की थी। इस बयान का एक वीडियो अब वायरल हो रहा है।

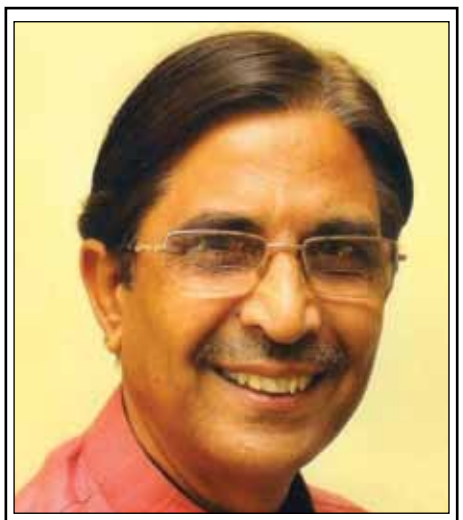

बेहतरीन मित्र,सुलझे हुए पत्रकार और मंच के सफल हास्य कवि महेंद्र शर्मा का निधन स्तब्ध कर गया। वे अरसे तक दैनिक 'हिंदुस्तान' (दिल्ली संस्करण) से जुड़े रहे। उसके बाद वे अणुव्रत भवन की पत्रिका 'सफर अणुव्रत संकल्पों का' के संपादक रहे। अरसे से वे लीवर सम्बन्धी बीमारी से जूझ रहे थे। उनकी शालीनता,सज्जनता,मिलनसारिता और हर वक्त मित्रों की मदद को तैयार भावना दुर्लभ है

दिल्ली एन सी आर के अचिनि करण आंदोलनकारी समिति द्वारा आवासीय आयुक्त अजय मिश्रा के मार्फत मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी को एक और ज्ञापन दिया, जिसमें 2008 का शासन आदेश जारी करने का पुनः अनुरोध किया गया है। जिसमें संगठन, पेपर की कट्टिंग व जिला अधिकारी के विवेक शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल में अनिल पंत, मनमोहन शाह, रविंदर सिंह चौहान, मोहन जोशी शामिल थे।

वीरेंद्र सचदेवा को यमुना में डुबकी लगाना पड़ा भारी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में रहे प्रदूषण के मुद्दे को उजागर करने के लिए दिल्ली में यमुना नदी में डुबकी लगाई। भाजपा ने लोगों को यमुना की दुर्दशा दिखाने और उन्हें 2021 में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए वादे की याद दिलाने के लिए आईटीओ छठ घाट पर आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री आतिशी और उनके पूर्ववर्ती केजरीवाल के लिए लाल कालीन बिछाने के साथ-साथ दो कुर्सियाँ रखी गईं।

सचदेवा और उनकी पार्टी के नेताओं ने दोनों का इंतजार किया लेकिन वे नहीं आए, फिर सचदेवा प्रदूषित नदी में डुबकी लगाने चले गए। हालांकि, अब जो खबर आ रही है उसके

मुताबिक सचदेवा को यमुना नदी में डुबकी लगाना भारी पड़ गया है। दिल्ली भाजपा ने एक्स पर लिखा कि वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार के 8500 करोड़ रुपए के यमुना सफाई घोटाले को उजागर करते हुए यमुना मईया में डुबकी लगा कर दिल्ली सरकार की गलतियों के लिए क्षमा प्रार्थना की थी।

पार्टी की दिल्ली इकाई ने दावा किया कि वीरेन्द्र सचदेवा को त्वचा में लाल रैशेज, खुजली एवं सांस लेने में हल्की तकलीफ हो रही है। वह अभी आरएमएल अस्पताल गये जहां उन्हे डाक्टरों ने जांच कर तीन दिन के लिए दवा दी है। अस्पताल का स्लीप भी पार्टी ने साक्षा किया है। इससे पहले उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में 8500 करोड रुपए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को दिए हैं ताकि यमुना की सफाई हो सके लेकिन आज तक यमुना की स्थिति नहीं बदली। इसलिए हम आज केजरीवाल से के सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर वह पैसे कहां गया।

सचदेवा ने कहा कि जब रातों-रात शीश महल के टॉयलेट गायब हो जाते हैं तो फिर अरविंद केजरीवाल मां यमुना को कैसे छोड़ेंगे। सत्ता के नशे ने आम आदमी पार्टी को जहां निरंकुश बना दिया वही भ्रष्टाचारी भी बना दिया दिल्ली की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है लेकिन दिल्लीवासियों की चिंता केजरीवाल को नहीं है। 2021 में अरविंद केजरीवाल ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा था कि मेरी जिम्मेदारी है हम यमुना को साफ करेंगे और हम कोई ब्लेम गेम नहीं खेलना चाहते हैं और 2025 तक यमुना में डुबकी लगाएंगे।

बस मार्शलों को दिवाली तोहफा
अब प्रदूषण नियंत्रण ड्यूटी पर होगी तैनाती

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने घोषणा की कि वह राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण संकट से लड़ने में मदद के लिए चार महीने के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को नियुक्त करेगी। यह घोषणा दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा 1 नवंबर, 2024 से चार महीने के लिए शहर में वायु प्रदूषण से निपटने में मदद करने के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की तैनाती के निर्देश के बाद की गई। इन नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को अक्टूबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बस मार्शल के रूप में उनकी भूमिका से बर्खास्त कर दिया था।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता, विशेषकर सर्दियों के दौरान, 'बहुत खराब' और 'गंभीर' श्रेणियों में पहुंच जाने के कारण, इस पहल का उद्देश्य शहर में जारी प्रदूषण संकट से निपटना और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है। इस अस्थायी तैनाती के अलावा, सक्सेना ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री आतिशी से नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भविष्य की तैनाती के लिए एक व्यापक दीर्घकालिक योजना विकसित करने को कहा है।

उपराज्यपाल ने एक्स पर लिखा कि बस मार्शल के रूप में कार्यरत हजारों सीडीवी, जिनकी सेवाएं एक वर्ष पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर समाप्त कर दी गई थीं, की आजीविका की जटिल समस्या पर विचार करने के बाद, आज उन्हें अगले 04 महीनों के लिए दिल्ली में वायु प्रदूषण की आपदा को कम करने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में नियुक्त करके उन्हें तत्काल राहत देने का अवसर मिला। उन्होंने आगे लिखा कि मानवीय आधार पर मुख्यमंत्री आतिशी से अनुरोध किया कि वे अगले 04 महीनों के भीतर कानून के अनुसार इन असहाय सीडीवी की स्थायी नियुक्ति के लिए एक ठोस योजना लेकर आएं।

एलजी ने कहा कि उम्मीद है कि यह काम पूरी ईमानदारी से किया जाएगा और यह महज घोषणा बनकर न रह जाए। मुझे उम्मीद है कि यह छोटा सा कदम हमारे साथी CDVs की दिवाली को रोशन करने में मदद करेगा, जो पिछले एक साल से एक धागे से लटके हुए हैं। आदेश के बाद, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल ने कहा कि आप सरकार का चल रहा प्रदूषण विरोधी अभियान तेज किया जाएगा और उल्लंघनों की जांच के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी तथा राष्ट्रीय राजधानी में डीजल बसों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया जाएगा।

हटाए गए संविदा कर्मचारियों को किया जाए बहाल : कैलाश गहलोत

दिल्ली महिला आयोग ने सभी संविदा कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश दिया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे मंजूरी भी दे दी है। इस पर अब दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा, हाल ही में जारी आदेश में तत्काल प्रभाव से कई संविदा कर्मचारियों को हटा दयिा गया है, वास्तव में यह दुखद और चिंताजनक स्थिति है। विशेष रूप से, जब यह आदेश दीपावली जैसे त्यौहार के समय में आया है, तो इसका सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव और भी गंभीर हो जाता है।

उन्होंने कहा, इस आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यह एलजी की मंजूरी और आदेश पर आधारित है, जो इस बात का संकेत है कि यह निर्णय उच्च स्तर पर लिया गया है। यह निश्चित रूप से संविदा कर्मचारियों के लिए अन्यायपूर्ण है, जो लंबे समय से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। इनमें से कई कर्मचारी, जैसे कि

यौन उत्पीड़न पीड़ितों के लिए काम करने वाले वकील और काउंसलर, न केवल अपनी सेवाएं दे रहे हैं, बल्कि समाज के एक महत्वपूर्ण हिस्से को सहायता भी प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार के तहत ऐसे संविदा कर्मचारियों को हटाने का यह एक गंभीर मामला है। उदाहरण के लिए, पहले भी बस मार्शलों को हटा दिया गया था, जो सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा की भावना को बढ़ाते थे, खासकर महिलाओं के लिए। ऐसे निर्णयों से यह स्पष्ट होता है कि संविदा कर्मचारियों को उनकी मेहनत और सेवाओं के लिए उचित मान्यता नहीं मिल रही है।

उन्होंने कहा, मैं एलजी साहब से अपील करना चाहूंगा कि त्योहार के इस समय में दयालुता दिखाते हुए इस आदेश को तुरंत वापस लिया जाए। संविदा कर्मचारी न केवल अपने कार्यों में निपुण हैं, बल्कि वे दिल्ली सरकार के कामों का एक अभिन्न हिस्सा हैं। हमें यह समझना होगा कि ऐसे कर्मचारी, जो वर्षों से ईमानदारी से काम कर रहे हैं, उन्हें अचानक हटाना न केवल अनुचित है, बल्कि उनके भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

उन्होंने कहा, मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि दिल्ली सरकार हमेशा अपने संविदा कर्मचारियों के साथ खड़ी है। हम उनकी चिंताओं का संज्ञान लेंगे और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इसलिए, मैं फिर से अनुरोध करता हूं कि इस आदेश को तुरंत वापस लिया जाए और संविदा कर्मचारियों को उनके कार्यों में निरंतरता प्रदान की जाए।

जो जीत जाता है, वही सत्य हो जाता है

स्वामी हर्षानन्द उर्फ.डॉ हरीश भल्ला

राम और रावण का युद्ध धर्मयुद्ध था। यह तय करना मुश्किल है। क्योंकि तय कौन करे? जो जीत जाता है, इतिहासज्ञ उसकी प्रशंसा में गीत लिखते हैं। अगर रावण जीत गया होता, तो क्या तुम सोचते हो, तुम्हारे पास रामायण होती? तुलसीदास, वाल्मीकि की? भूल जाओ। अगर रावण जीता होता, तो रामायण तुम्हारे पास नहीं हो सकती थी। और अगर रावण जीता होता, तो तुम्हारे पंडित, पुरोहित, कवि, इन सबने उसकी स्तुति में उसके गीत गाए होते और तुम्हारे मंदिरों में राम की जगह रावण की प्रतिमा होती और दशहरे के दिन तुम रावण को नहीं, राम को जलाते। तुम्हें मेरी बात बहुत चौंकाने वाली लगेगी। लेकिन मेरी भी मजबूरी है। सत्य ऐसा ही है। जो जीत जाता है, उसकी स्तुति करने वाले लोग खड़े हो जाते है। हमारे पास एक बहुमूल्य कहावत हैः सत्यमेव जयते। भारत ने तो उसको अपना राष्ट्रीय प्रतीक बना लिया है-सत्यमेव जयते।

सत्य की सदा विजय होती है। ऐसा होना चाहिए। मेरा भी मन ऐसा ही चाहता है कि ऐसा हो कि सत्य की सदा विजय हो। यह हमारी अभीप्सा है, आकांक्षा है। मगर ऐसा होता नहीं। यह तथ्य नहीं है, यह परिकल्पना है। यह उटोपिया है, आदर्श है, तथ्य नहीं। तथ्य तो ठीक उलटा है। तथ्य तो यह है जिसकी जीत होती है, उसको लोग सत्य कहते हैं। चिकमगलूर में चुनाव के पहले इंदिरा गांधी और उनके विपरीत जो उम्मीदवार खड़ा था वह, सभी शंकराचार्य के दर्शन

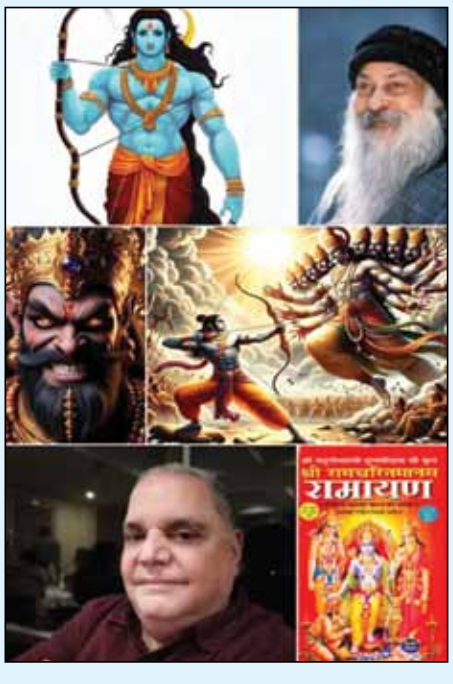

करने गए। इंदिरा गांधी को भी उन्होंने आशीर्वाद दिया और विरोधी उम्मीदवार को भी आशीर्वाद दिया। किसी पत्रकार ने शंकराचार्य को पूछा कि आपने दोनों को आशीर्वाद दे दिया, यह कैसे हो सकता है? अब जीतेगा कौन? तो उन्होंने कहा, सत्यमेव जयते। जो सत्य है वह जीतेगा। इतना आसान नहीं है मामला।

यहां तो जो जीत जाता है, वही सत्य हो जाता है। जो हार गया, वह असत्य हो जाता है। यहां हारना पाप है; यहां जीतना पुण्य है। अगर रावण जीत गया होता, तो तुम्हारे पास कहानियां ही बिलकुल भिन्न होतीं,उनमें राम की निंदा होती और रावण की प्रशंसा होती। और तुम ही उन्हीं कहानियों को दोहराते, उन्हीं को सुनते बचपन से। अभी तुम राम की प्रशंसा सुनते हो, रावण की निंदा। उसी को तुम दोहराए चले जाते हो।

अडोल्फ हिटलर अगर जीत जाता, तो क्या तुम सोचते हो, इतिहास ऐसा ही लिखा जाता जैसा लिखा गया? तब अडोल्फ हिटलर इतिहास लिखवाता। तब उसमें दुनिया के सबसे बड़े शत्रु होते चर्चिल, रूजवेल्ट, स्टैलिन।

तब अडोल्फ हिटलर दुनिया का बचावनहारा होताझसारी दुनिया का रक्षक;आर्य-धर्म का स्थापक और उसको प्रशंसा करने वाले लोग सारी दुनिया में मिल जाते। उसकी प्रशंसा करने वाले लोग थे, जब वह जीत रहा था। सुभाष बोस जैसा व्यक्ति भी उससे बहुत प्रभावित था, जब वह जीत रहा था। कौन प्रभावित नहीं था! विजय से लोग प्रभावित होते हैं

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने सपा का दिया बिना शर्त समर्थन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

इंडिया ब्लॉक के सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रहा सस्पेंस उस समय सुलझ गया, जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए घोषणा की कि पार्टी के उम्मीदवार आगामी उत्तर प्रदेश उपचुनाव में सभी नौ विधानसभा सीटों पर सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे। इस घोषणा से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। इससे यह स्पष्ट हो गया कि इंडिया ब्लॉक के सहयोगी सीट बंटवारे पर आम सहमति बनाने में विफल रहे हैं।

अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि बात सीट की नहीं जीत की है इस रणनीति के तहत 'इंडिया गठबंधन' के संयुक्त प्रत्याशी सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह 'साइकिल' के निशान पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक बड़ी जीत के लिए एकजुट होकर, कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है। इंडिया गठबंधन इस उपचुनाव में, जीत का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकताओं के साथ आने से समाजवादी पार्टी की शक्ति कई गुना बढ़ गयी है।

सपा नेता ने दावा किया कि इस अभूतपूर्व सहयोग और समर्थन से सभी 9 विधानसभा सीटों पर 'इंडिया गठबंधन' का एक-एक कार्यकर्ता जीत का संकल्प लेकर नयी ऊर्जा से भर गया है। उन्होंने कहा कि ये देश का संविधान, सौहार्द और PDA का मान-सम्मान बचाने का चुनाव है। इसीलिए हमारी सबसे अपील है : एक भी वोट न घटने पाए, एक भी वोट न बँटने पाए। देशहित में इंडिया गठबंधन की सद्भाव भरी ये एकता और एकजुटता आज भी नया इतिहास लिखेगी और कल भी। वहीं, राहुल गांधी के साथ फोटो साझा करते हुए अखिलेश ने लिखा कि हमने ये ठाना है संविधान, आरक्षण, सौहार्द बचाना है। बापू-बाबासाहेब-लोहिया के सपनों का देश बनाना है।

कांग्रेस और सपा दोनों नेताओं ने दावा किया था कि सीट बंटवारे को लेकर बातचीत कई दिनों से चल रही थी। हालांकि, सिद्दीकी के नामांकन ने कांग्रेस के चुनाव लड़ने की संभावनाओं को खत्म कर दिया। गौरतलब है कि सपा ने 13 नवंबर को होने वाले मतदान में से नौ विधानसभा सीटों में से सात के लिए उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर दी थी, कांग्रेस के लिए केवल खैर और गाजियाबाद कैंट सीट ही छोड़ी थी। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने इन दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने में अनिच्छा व्यक्त की है, क्योंकि इन्हें सत्तारूढ़ भाजपा का पारंपरिक गढ़ माना जाता है, जहां इस पुरानी पार्टी की जीत की संभावना बहुत कम है।

बढ़ती आतंकी घटनाओं के बीच
उमर अब्दुल्ला ने की अमित शाह से मुलाकात

जम्मू-कश्मीर के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान कानून-व्यवस्था के साथ-साथ राज्य के दर्जे के मुद्दे पर भी चर्चा की। अब्दुल्ला और अमित शाह के बीच करीब 40 मिनट तक बैठक चली।

सूत्रों के अनुसार अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा भी उठाया। बता दें अपनी पहली कैबिनेट बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसे बहाली की प्रक्रिया शुरू करने, संवैधानिक अधिकारों को बहाल करने और क्षेत्र के निवासियों की विशिष्ट पहचान की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। शाह के साथ अपनी बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। सूत्रों के अनुसार अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिक सुरक्षा बल और हर संभव मदद मांगी है। साथ ही उन्होंने आतंकवादी संगठनों के खिलाफ अभियान चलाने की भी मांग की है। अब्दुल्ला और शाह के बीच यह बैठक गांदरबल जिले के गंगनगीर इलाके में हुए आतंकी हमले के बाद हुई है, जहां आतंकवादियों ने तीन दिन पहले ही एक डॉक्टर समेत सात लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी थी।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी ने 50वां शोरूम लॉन्च कर रचा इतिहास

॥ मनोज शर्मा ॥

भारत के अग्रणी ज्वैलरी ब्रांड किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी ने अपने 50वें एक्सक्लूसिव शोरूम के उद्घाटन के साथ एक नई सफलता की कहानी लिखी है। नोएडा के सेक्टर 75 स्थित स्पेक्ट्रम मॉल में खुले इस शोरूम के साथ दिल्ली-एनसीआर में किसना का यह 10वां शोरूम बन गया है। इस खास मौके पर हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया और किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के निदेशक पराग शाह की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भव्य बना दिया। वहीं हसु ढोलकिया एवं हितार्थ ढोलकिया भी मौजूद रहें।

किसना ने इस शुभ अवसर पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स की घोषणा की है। डायमंड ज्वैलरी पर 100% तक मेकिंग चार्ज में छूट और गोल्ड ज्वैलरी पर 20% तक की छूट का आकर्षक ऑफर दिया जा रहा है। इसके अलावा, किसना ने #अबकीबारआपकेलिए के तहत "शॉप एंड विन ए कार" कैंपेन भी लॉन्च किया है, जिसमें 100 से ज्यादा कारें जीतने का मौका है। ग्राहक 20,000 रुपये या उससे अधिक की डायमंड, प्लेटिनम या सॉलिटेयर ज्वैलरी, या 50,000 रुपये या उससे अधिक की गोल्ड ज्वैलरी खरीदकर इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। इस मौके पर खुशी व्यक्त करते हुए हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा, "पूरे देश में 50 शोरूम खोलना हमारे ग्राहकों के विश्वास का प्रतीक है। दिवाली के मौके पर दिल्ली-एनसीआर में 10वां शोरूम लॉन्च करना हमारे लिए गर्व की बात है। हम 'हर घर किसना' के अपने विजन के साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिसका उद्देश्य हर महिला के डायमंड ज्वैलरी के सपने को साकार करना है।"

उद्घाटन के शुभ अवसर पर किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के निदेशक पराग शाह ने कहा, "50वां शोरूम खोलना सिर्फ एक व्यापारिक उपलब्धि नहीं है, यह हमारे ग्राहकों के साथ हमारे रिश्ते और बेहतरीन शिल्पकला के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उत्सव है। हमें गर्व है कि दिवाली जैसे महत्वपूर्ण सीजन में हम यह मील का पत्थर पार कर रहे हैं। नोएडा में नए शोरूम के साथ, हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन शॉपिंग अनुभव देने के लिए उत्साहित हैं।" वहीं किसना के फ्रैंचाइज पार्टनर मनीष कुमार जैन ने कहा, "किसना के साथ साझेदारी हमारे लिए गर्व का विषय है। 50वें शोरूम का लॉन्च ब्रांड की विश्वसनीयता और लोकप्रियता को दशार्ता है। हम नोएडा के इस नए शोरूम के जरिए किसना की अद्वितीय शिल्पकला और उत्कृष्ट सर्विस को अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हैं।"

कांग्रेस ने राजस्थान की सात विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किए

कांग्रेस ने राजस्थान की सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, झुंझनू से अमित ओला को टिकट दिया गया है जो सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला के पुत्र हैं। इसी तरह रामगढ़ से पूर्व विधायक दिवंगत जुबैर खान के पुत्र आर्यन जुबैर को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस ने दौसा से दीनदयाल बैरवा, देवली उनियारा से कस्तूर चंद मीणा , सलूंबर से रेशमा मीणा और चौरासी से महेश रोत को टिकट दिया है।

ड्रोन तकनीक के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम

ग्रामीण जनता पर ड्रोन दीदी पहल का प्रभाव" विषय पर एक पैनल चर्चा के दौरन ड्रोन तकनीक के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने और खेती में सुधार लाने में इस अभिनव कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला गया और यह जानकारी दी गई की इस कार्यक्रम के प्रति ग्रामीण महिलाओ में काफी रुझान है और इसके क्रियानवयन के उत्साहजनक परिणाम रहे है।

इस कार्यक्रम में भारत सरकार के नारी शक्ति, विकसित भारत कार्यक्रम पर प्रकाश डाला गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण जनता, विशेषकर महिलाओं के बीच जागरूकता बढ़ाना है। एनआरएफएमटीटीआई, हिसार के निदेशक और प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. मुकेश जैन, नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड (एनएफएल) महाप्रबंधक (एचआर और मार्केटिंग), संजीव रणदेवा और वाउ गो ग्रीन एलएलपी के प्रबंध निदेशक, डॉ. शंकर गोयनका ने अपने विचार साझा किए।

डॉ. मुकेश जैन ने कृषि में ड्रोन तकनीक के महत्व पर जोर दिया, जबकि संजीव रणदेवा ने ग्रामीण विकास में एनएफएल के योगदान की चर्चा की। डॉ. शंकर गोयनका ने इस कार्क्रम की प्रभावी कार्यान्वयन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए चर्चा का संचालन किया। इंडियन वीमेन'स प्रेस करॉस्पोण्डेंस क्लब दिल्ली में एक मीडिया से चर्चा के दौरन भटिंडा और बरनाला की दो प्रेरक ड्रोन दीदियों की परिवर्तनकारी यात्राओं पर प्रकाश

डालते हुए ड्रोन तकनीक की दुनिया में प्रवेश करने के अपने अनुभव साझा किए। बरनाला की सुश्री रेखा रानी ने व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के बाद अपने आप को आत्मविश्वास से भरपूर पाया, जिसने उन्हें तकनीकी कौशल और सशक्तीकरण की भावना से लैस किया और अब वह उनके परिवार के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योदान दे रही है। सुश्री रेखा रानी ने प्रशिक्षण और कौशल विकास के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने वाले कार्यक्रमों की शुरूआत करने के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इन अवसरों ने उन्हें सार्थक रूप से जुड़ने और अपने परिवारों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने का अवसर दिया है ।

भटिंडा की सुश्री जसबीर कौर ने बताया कि फसल के चरम मौसम के साथ उनकी आय बढ़कर 5,000 रुपये प्रतिदिन हो गई है। कम उत्पादन वाले मौसम में भी, उन्होंने 3,000 रुपये प्रतिदिन की सम्मानजनक आय प्राप्त की है। इस आर्थिक स्थिरता ने उन्हें एक संरक्षक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे उनके गांव की अन्य महिलाओं को भी इसी तरह के प्रशिक्षण के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

ड्रोन दीदी पहल नवंबर 2023 में शुरू की गई नमो ड्रोन दीदी योजना का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य कृषि गतिविधियों में सहायता के लिए 15,000 महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन से सशक्त बनाना है। जसबीर कौर और रेखा रानी जैसी महिलाओं के साथ इस कार्यक्रम ने सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं।

इन ड्रोन दीदियों की सफलता ग्रामीण समुदायों में मौजूद लचीलेपन और क्षमता की एक शक्तिशाली याद दिलाती हैं, जिन्हें प्रशिक्षण और सहायता के माध्यम से अनलॉक किया जाना है। उन्हें सही कौशल और संसाधनों से लैस करके, ये महिलाएँ अपने जीवन को बदल रही हैं और भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। इस कार्क्रम में विभिन्न कड़ियों का संचालन एयर पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के भूतपूर्ण महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) जी एस बावा ने किया।

प्रियंका गांधी ने वायनाड से भरा उपचुनाव के लिए नामांकन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पार्टी के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में केरल के वायनाड उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने के मौके पर सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। प्रियंका ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में वायनाड संसदीय उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। इसी के साथ एक्टिव राजनीति में सीधे तौर पर प्रियंका गांधी की एंट्री हो गई है।

नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य नेता भी मौजूद थे। उन्होंने कलपेट्टा स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले राहुल गांधी और प्रियंका ने केरल के कलपेट्टा शहर में एक रोड शो किया है।

इस दौरान उन्होंने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस रैली में प्रियंका गांधी ने कठिन समय में अपने भाई का समर्थन करने के लिए वायनाड के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रियंका गांधी ने रैली के दौरान कहा, "इन मूल्यों (सत्य और अहिंसा) ने मेरे भाई को प्रेम और एकता के लिए भारत भर में 8000 किलोमीटर पैदल चलने के लिए प्रेरित किया... वह आपके समर्थन के बिना ऐसा नहीं कर सकता था... आप मेरे भाई के साथ तब खड़ी रहीं, जब पूरी दुनिया उनसे मुंह मोड़ रही थी... आपने उन्हें लड़ते रहने की ताकत और हिम्मत दी... मेरा पूरा परिवार हमेशा आपका ऋणी और आभारी रहेगा... मुझे पता है कि उन्हें आपको छोड़ना पड़ा और मैं वादा करती हूं कि मैं आपके और उनके बीच के बंधन को और मजबूत करूंगी..."

राहुल गांधी ने वायनाड के लोगों से अपनी बहन पर भरोसा जताने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि वह उनकी आवाज बनेंगी। उन्होंने कहा, "मेरे हाथ में मेरी बहन द्वारा बनाई गई राखी है और मैं इसे तब तक नहीं उतारता जब तक यह टूट न जाए। राखी भाई द्वारा अपनी बहन की सुरक्षा का प्रतीक है। इसलिए मैं वायनाड के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे मेरी बहन का ख्याल रखें और मेरी बहन की रक्षा करें। वह अपनी पूरी ऊर्जा वायनाड के लोगों और समस्याओं की देखभाल में लगा देंगी।"

वायनाड सीट लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा खाली कर दी गई थी, जिन्होंने रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखा। गांधी का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार नव्या हरिदास और लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के उम्मीदवार सत्यन मोकेरी से है। हरिदास दो बार कोझिकोड निगम पार्षद रह चुके हैं।

कठपुतली संस्था ईवीएम में कर सकती है गड़बड़ी : हेमंत सोरेन

झारखंड के मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने चुनावी अभियान का आगाज कर दिया है। उन्होंने भवनाथपुर और गढ़वा विधानसभा सीटों पर झामुमो प्रत्याशियों के नामांकन के बाद आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग पर बड़ा जुबानी हमला बोला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग ने अपनी संवैधानिक ताकतों का उपयोग कर हमारी सरकार को अपना कार्यकाल भी पूरा नहीं करने दिया। उसने निश्चित समय के पहले चुनाव की घोषणा कर दी है। किसी मतदान केंद्र पर वोट का समय बढ़ाकर तो कहीं घटाकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। हमें तो आशंका है कि ईवीएम में भी गड़बड़ी की जा सकती है।

सोरेन ने कहा कि संवैधानिक संस्थाएं केंद्र सरकार की कठपुतली बनकर बीजेपी का काम कर रही हैं, वह किसी से छिपा नहीं है। इसका जीता जागता उदाहरण आपके सामने मैं हूं। इन्होंने दो साल तक बेवजह मुझे परेशान किया, ठीक से काम करने नहीं दिया। मैं अपने राज्यवासियों के लिए काम कर रहा था तो मुझे झूठे आरोप में फंसाकर जेल में डाल दिया। लेकिन, इन्हें पता नहीं है कि मैं शिबू सोरेन का बेटा हूं। हेमंत सोरेन न झुका है, न झुकेगा।

झामुमो नेता ने इस चुनाव को झारखंड के हक-अधिकार और मान-सम्मान का चुनाव बताते हुए कहा कि राज्य के साथ सौतेला व्यवहार करने वाली भाजपा को राज्य की जनता करारा जवाब देगी। वह समाज को तोड़ने और झूठ फैलाने की राजनीति करने वाली भाजपा पर पूर्ण विराम लगाएगी।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि अपने कार्यकाल में उन्होंने विकास की ऐसी लकीर खींची है कि सब कुछ एक साथ गिनाना मुश्किल है। मंईयां सम्मान योजना से हर घर को लाभ हुआ है। दिसंबर से इसकी राशि 2,500 रुपए हो जाएगी। अगली बार हर महिला को साल में एक लाख रुपए दिए जाएंगे, लेकिन भाजपा के लोग अब लोगों से फॉर्म भरवा रहे हैं। लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने गढ़वा से झामुमो के उम्मीदवार और अपने मंत्रिमंडल के साथी मिथिलेश ठाकुर एवं भवनाथपुर से अनंत प्रताप देव को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इसके पहले इन दोनों उम्मीदवारों ने नामांकन के पर्चे दाखिल किए।

टाटा ग्रुप ने अब तक 74 खरब 96 अरब 44 करोड़ 41 लाख रुपये दान दिये जो मुकेश अम्बानी के कुल संपत्ति से भी अधिक है।

बैंकों में डिपॉजिट घट रहे हैं, लोन बढ़ रहे हैं

॥ प्रमोद शर्मा ॥

वित्तीय दुनिया में इस समय भारी उठापटक हो रही है और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका की भी स्थिति अच्छी नहीं है। वहां की बैंकिंग व्यवस्था भी खतरे में है। 2008 में हमने देखा था कि वहां किस तरह से कई बड़े-बड़े बैंकों का दिवाला निकल गया था और उसका असर सारी दुनिया पर पड़ा था। लेकिन सुकून की बात यह रही कि भारत पर वित्तीय अनिश्चितता का असर नहीं के बराबर पड़ा। और अब यह बात फिर सामने आ रही है लेकिन इस समय भारतीय बैंकिंग व्यवस्था मजबूत है। इसने कई बड़े-बड़े झटके झेले हैं फिर भी यह खड़ा रहा। कई बड़े-बड़े स्कैम हुए और अरबों रुपये की राशि लोन के रूप में कई कारोबारी विदेश ले भागे लेकिन इसने फिर से सिर उठा लिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल यानी 2024 में भारतीय बैंकों ने पहली बार 3 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड प्रॉफिट कमाया। ध्यान देने योग्य बात यह है कि पिछले दशक में बैंक डांवाडोल हो रहे थे लेकिन अब हालात बदल गये हैं। दिलचस्प बात यह है कि देश के सरकारी बैंकों का प्रदर्शन प्राइवेट और विदेशी बैंकों से कहीं बेहतर रहा। इसका प्रमाण इस बात से मिलता है कि अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड ऐंड पूअर ने छह भारतीय बैंकों की रेटिंग स्थिर (स्टैबल) से बढ़ाकर सकारात्मक (पोजिटिव) कर दी और इसमें दो सरकारी बैंक भी हैं। यह हमारे बैंकों की ताकत बताता है और यह भी बताता है कि इनमें निवेश फायदे का सौदा है। इसके विपरीत अमेरिका और यूरोप में कई नामी-गिरामी बैंक धराशायी हो गए। मार्च 2023 के बाद अमेरिका में तीन मिड साइज बैंकों का दीवाला निकल गया। अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका फोर्ब्स के मुताबिक सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी), सिग्नेचर बैंक और फर्स्ट रिपब्लिक बैंक धराशायी हो गये जबकि उनमें अमेरिकी सरकार और निवेशकों ने काफी डॉलर लगाया था। लेकिन इसके बावजूद ये बैंक निपट गये और जनता का भरोसा टूट गया। उधर यूरोप में क्रेडिट सुइस का धराशायी हो जाना एक बहुत बड़ी घटना थी और उस पर किसी को सहज विश्वास नहीं हुआ। यह बैंक कुप्रबंधन और बदतरीन मैनेजमेंट का शिकार हुआ और धीरे-धीरे इसकी जड़ें खोखली हो गईं। इससे वित्तीय बाजार में घबराहट फैल गई और साइड इफेक्ट की बात कही जाने लगी। दुनिया भर में बैंकों के भविष्य पर चर्चा होने लगी।

हमारे भारत में हालात इसके उलट है और बैंक बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। कोटक बैंक के संस्थापक उदय कोटक ने पिछले दिनों कहा कि भारतीय बैंक काफी मजबूत हैं और उनमें संकट झेलने की क्षमता भी है। प्राइस वाटर हाउस कूपर यानी पीडब्लूसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय बैंक हालांकि मजबूत हैं लेकिन उन्हें अंतर्राष्ट्रीय उठापटक से बचने के लिए उसे तीन स्तरीय रणनीति बनानी होगी अन्यथा फिर मुसीबत आ सकती है। दरअसल दुनिया भर के केन्द्रीय बैंक इस समय मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए वित्तीय व्यवस्था को टाइट कर रहे हैं। यानी वे ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं जिससे बैंकों से लोन का उठाव कम हो गया है और वित्तीय सेक्टर में एक तरह की अनिश्चितता आ गई है। दुनिया भर में इस समय राजनीतिक उथल-पुथल है जिसके कारण वित्तीय उठापटक भी देखी जा रही है। वित्तीय स्थिरता के अभाव में बैंकों के लिए कठिनाइयां बहुत हैं।

अब यह स्पष्ट है कि भारतीय बैंकों को बाहर से खतरा नहीं है यानी बाह्य शक्तियों के प्रभाव में भारतीय बैंक आने वाले नहीं हैं। तो फिर खतरे की क्या बात है? दरअसल पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि कुछ समय से डिपॉजिट जमा करने की प्रक्रिया ऋण वृद्धि से पिछड़ रही है और इससे प्रणाली में संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और एनबीएफसी तथा अन्य ऋणदाताओं को संरचनात्मक परिवर्तनों की पहचान करनी चाहिए और उसके अनुरूप अपनी रणनीति तैयार करनी चाहिए। सच्चाई तो यह है कि देश के डिपॉजिट की स्थिति आने वाले समय में अच्छी नहीं रहेगी क्योंकि ग्राहक अब बेहतर रिटर्न की तलाश में म्युचुअल फंड वगैरह में पैसे लगा रहे हैं जिसका असर अच्छा बैंकों पर अच्छा नहीं होगा। बैंकों में मिलने वाले ब्याज से जनता नाखुश है।

शेष अगले अंक में

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट छोड़ी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट खाली कर दी है और गंदेरबल निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने का फैसला किया है, प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल ने सोमवार को सदन में घोषणा की। अब्दुल्ला ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में दोनों सीटें जीती थीं।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट छोड़ दी है और वह गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने रहेंगे। प्रोटेम स्पीकर (अस्थायी विधानसभा अध्यक्ष) मुबारक गुल ने यह जानकारी दी। उमर अब्दुल्ला ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में दोनों सीट पर जीत हासिल की थी। गांदरबल सीट अब्दुल्ला परिवार का गढ़ मानी जाती है।

54 वर्षीय उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2009 से 2014 तक गांदरबल से विधायक थे। इसके साथ ही 95 सदस्यीय सदन में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों की संख्या घटकर 41 रह गई है, हालांकि पार्टी को कांग्रेस के छह, पांच निर्दलीय और आम आदमी पार्टी तथा माकपा के एक-एक विधायक के समर्थन से अभी भी बहुमत प्राप्त है।

उमर अब्दुल्ला ने 2024 के चुनावों में गंदेरबल और बडगाम से जीत हासिल की

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में गंदेरबल निर्वाचन क्षेत्र से पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के उम्मीदवार बशीर अहमद मीर को 10,000 से अधिक मतों से हराया। चुनाव आयोग के अनुसार, उन्होंने 32,727 वोट हासिल किए, जो उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी मीर के खिलाफ 10,574 के अंतर से जीते, जिन्हें 22,153 वोट मिले।

अब्दुल्ला ने जम्मू और कश्मीर चुनावों में जिन दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ा था, उनमें से एक बडगाम में विधानसभा चुनाव में भी जीत दर्ज की थी।

किसी फैसले के लिए भगवान को दोषी ठहरा देना सबसे आसान

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर यूं भी बयानों को लेकर विवादों में बनी रहती हैं, ऐसे में उन्होंने सीजेआई चंद्रचूड़ को लेकर ऐसा बयान दे दिया है, जिसकी चर्चा हो रही है। स्वरा ने सीजेआई को इंगित करते हुए कहा है कि खराब फैसले के लिए भगवान को दोषी ठहरा देना सबसे आसान काम है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ पुणे के खेड़ तालुका स्थित अपने पैतृक गांव कन्हेरसर पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले पर खुलकर चर्चा की। इसी बीच सीजेआई ने इस मामले के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने की बात भी कही, जिसे लेकर स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया पर तंज कसा है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि देश के सर्वोच्च न्यायाधीश द्वारा अपने खराब फैसले के लिए भगवान को दोषी ठहराना एक सहज कदम था। स्वरा भास्कर का यह बयान तेजी से वायरल हुआ और फिर शिवसेना (यूबीटी) ने भी सीजेआई की टिप्पणी पर सवाल उठा दिए। पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' में इसे लेकर लिखा है कि क्या न्याय, कानून द्वारा और संविधान की धाराओं के मुताबिक किया जाना चाहिए? जजों को अब इस संबंध में अपने-अपने भगवान से ही पूछना चाहिए।

क्या कहा था सीजेआई ने

चर्चा के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा था, कि जब बाबरी मामला, अयोध्या में राम मंदिर का केस मेरे सामने आया, तो मैंने भगवान के सामने बैठकर उनसे प्रार्थना की। मैंने कहा- अब आपको ही कोई समाधान निकालना होगा। सीजेआई के इस बयान ने एक नई बहस को छेड़ दी है, जिसमें स्वरा भास्कर ने तंज कसकर आग को हवा देने का काम ही किया है।

दिल्ली चैप्टर बना रहा है पुनर्वास में नए आयाम

॥ मनोज शर्मा ॥

ऑर्थोटिक्स एंड प्रोस्थेटिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओपीएआई) के दिल्ली चैप्टर ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जो आगामी 5 नवंबर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स दिवस के आयोजन का सूत्रपात करेगी। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम हिंदी भवन, 11, विष्णु दिगंबर मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स क्षेत्र के पेशेवरों, समर्थकों, और हितधारकों को एक मंच पर लाना है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञों, स्वास्थ्य पेशेवरों और मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उन समाधानों पर चर्चा की जो दिव्यांगजनों के जीवन को सुधारने में मदद कर रहे हैं। इस आयोजन में जागरूकता, पहुंच, और सरकारी सहभागिता की आवश्यकता को प्रमुखता दी गई, साथ ही पैरालंपिक एथलीटों के लिए नीति-स्तर पर समर्थन का आग्रह किया गया।

ओपीएआई के दिल्ली चैप्टर के आयोजन सचिव, अगेंद्र कुमार ने संगठन की मंशा को साझा करते हुए कहा, यह आयोजन केवल तकनीकी प्रगति

का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि उन पेशेवरों को भी सलामी है, जो अनगिनत लोगों के जीवन में गतिशीलता और स्वतंत्रता लाने में अहम भूमिका निभाते हैं। हमारा मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को समाज में सम्मान और पूर्ण भागीदारी के साथ जीवन जीने का अधिकार है।

डॉ. एम. सी. दास (राष्ट्रीय अध्यक्ष), डॉ. आनंद भट्ट (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में हो रहे तकनीकी नवाचारों को उजागर किया और इनसे मिलने वाले जीवन के नए अवसरों की बात की। उन्होंने कहा, "हम पुनर्वास के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव देख रहे हैं और यह जरूरी है कि ये नवाचार सभी तक पहुंचे।"

डॉ. विजय गुलाटी (वरिष्ठ प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट) और डॉ. जी. पांडियन (असिस्टेंट प्रोफेसर और मैनेजर) ने कहा, यह आयोजन हमें यह याद दिलाता है कि गतिशीलता और पहुंच हर व्यक्ति के कल्याण का अभिन्न हिस्सा हैं। ओपीएआई का मिशन है कि हम नवाचार, समावेश और जागरूकता को बढ़ावा दें और यह सुनिश्चित करें कि प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स समाधान उन सभी तक पहुंचे जिनकी उन्हें जरूरत है।"

राजेश दास (अध्यक्ष, ओपीएआई दिल्ली चैप्टर), तपस पी. बेहरा (कोषाध्यक्ष) और शंभु यादव (उपाध्यक्ष) ने कहा, "यह आयोजन ओपीएआई की इस प्रतिबद्धता को दशार्ता है कि हम दिव्यांगजनों को नवीनतम समाधानों के माध्यम से सशक्त बना रहे हैं और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, नीति निमार्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित कर रहे हैं।"

राकेश कुमार और दिलीप राजपूत (प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट) ने जीवन को सशक्त बनाने में अपने प्रयासों पर जोर दिया, वहीं अमर सिंह गर्ग (संयुक्त सचिव) ने दिव्यांगजनों के अधिकारों की वकालत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। विमल ओबेरॉय (वरिष्ठ पी एंड ओ) और रजनीश शर्मा (सहायक प्रोफेसर) ने इस दिशा में अपना योगदान साझा किया।

5 नवंबर के आयोजन का विशेष महत्व

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस ने 5 नवंबर को आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रम की भूमिका बांध दी, जिसमें इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाएं और नीतिगत चर्चा होंगी। ओपीएआई ने भारत सरकार से अनुरोध किया है कि प्रोस्थेटिस्ट्स और ऑर्थोटिस्ट्स को निर्णय प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए और पैरालंपिक एथलीटों को पूरा सहयोग दिया जाए ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें।

नवरस कथा कोलाज अद्भुतः बेहतरीन संदेश देती फिल्म

॥ चंद्र मोहन शर्मा ॥

आप किसी हस्ती के साथ मिलने "या अपना कोई प्रस्ताव रखने से पहले सौ बार सोचते है कि मेरे प्रस्ताव में इतना दम खम है कि अपना प्रस्ताव किसी बड़ी हस्ती के सामने रखूं लेकिन इस फिल्म के निमार्ता निर्देशक ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एप्रोच किया कि वह इस फिल्म को देखे , क्योंकि इस फिल्म में कई ज्वलंत सामाजिक और महिलाओं पर शोषण के मुद्दे पूरी ईमानदारी के साथ पेश किए गए हैं।

मुझे अहसास हुआ कि यह फिल्म चालू बॉक्स ऑफिस मसाला फिल्मों से दूर हैं ।

निर्देशक और इस हीरो प्रवीण हिंगोनिया ने अपनी इस फिल्म में नौ अलग-अलग किरदार निभाकर कमल हासन और संजीव कुमार को ट्रिब्यूट पेश किया है। फिल्म 'नया दिन नई रात' में संजीव कुमार ने नौ रोल तो कमल हासन ने फिल्म दशावतारम में दस किरदार निभाए थे।

चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म को तीन अवार्ड मिले जिनमें बेस्ट फीचर फिल्म, सपोर्टिंग एक्ट्रेस रेवती पिल्लई और सपोर्टिंग एक्टर स्वर हिंगोनिया को दिया गया। स्वरध्रुपद प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को प्रवीण हिंगोनिया के साथ एसकेएच पटेल ने प्रोड्यूस किया है

इस मौके पर चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में नवरस फिल्म को तीन अवार्ड मिले जिनमें बेस्ट फीचर

फिल्म, सपोर्टिंग एक्ट्रेस रेवती पिल्लई और सपोर्टिंग एक्टर स्वर हिंगोनिया को दिया गया। स्वरध्रुपद प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के सह निमार्ता अभिषेक मिश्रा हैं।

करीब ढाई घंटे की इस फिल्म को देखने के बाद इस फिल्म के मेकर को सैल्यूट किया कि उन्होंने अपनी फिल्म की शूटिंग कश्मीर से लेकर मोहब्बत की नगरी आगरा तक की ऐसा कोई नामी बैनर भी नहीं कर पाता । फिल्म में पांच गीत है और सभी गीतों में एक अलग संदेश हैं।

मेरी नजर में यह एक ऐसी फिल्म बनी है जिसके मेकर चाहते है कि समाज मे कुछ परिवर्तन आए, युवा पीढ़ी को कुछ सीखने के लिए बाध्य करे।

अगर आप फिल्म देखेंगे तो आपको लगेगा कि इस फिल्म के लिए हर किसी ने बहुत तैयारी की । फिल्म के टाइटल से आप समझ सकते है फिल्म में अलग-अलग रस की नौ कहानियां है। सो हम इन अलग अलग स्टोरीज पर बात न करके फिल्म पर बात करते है।

अक्सर मुंबई के टॉप बैनर भी फिल्म रिलीज से पहले दिल्ली मुंबई या एक आध और बड़े सिटी में आते है अपनी फिल्म का प्रोमोशन करके निकल जाते है लेकिन इस फिल्म को कई छोटे बड़े शहरों में पूरी टीम ने प्रमोट किया।

एक अनुभवी क्रिटिक के नजरिए से फिल्म को देखूं तो फिल्म में कई कमियां है इसका बड़ा कारण फिल्म का सीमित बजट ही रहा। इसलिए इन्हें नजरअंदाज करके देखा जाए तो बस एक शब्द काफी है अद्भुत फिल्म।

आप अकेले नहीं आपके अपने दोस्तों के साथ फिल्म देखने जाए,हां ऐसी फिल्मों से सिनेमा मालिक कन्नी काटते है तो कोई बात नहीं नजदीकी नहीं तो कुछ दूर इस फिल्म को देखकर आए, कुछ हासिल करके ही हाल से बाहर आयेंगे।

काश, ऐसी साफ सुथरी फिल्म को देश की सभी सरकार रिलीज से पहले टैक्स फ्री करे, दूरदर्शन पर दिखाए।

गांधी व लोहिया ने साधारणजन की पीड़ा को समझने का मंत्र साहित्य और समाज को दिया

निर्भय होने व साधारण जन की पीड़ा को समझने का जो मंत्र देश को गांधी जी ने दिया था, डॉ राममनोहर लोहिया ने उसी को आगे बढ़ाया और उनके समय के रचनाकारों ने उसे अपने अपने ढंग से व्यक्त किया।

सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक व राजनेता रघु ठाकुर ने यह विचार आज भोपाल के हिन्दी - भवन के महादेवी वर्मा सभागार में आयोजित व्याख्यान व पुस्तक - विमोचन कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन के तहत व्यक्त किए।

साहित्य, समाज और लोहिया विषय पर केन्द्रित इस आयोजन में वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल, चिंतक एवं अध्यापक डॉ इंदीवर, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व - कुलपति दीपक तिवारी ने भी आमंत्रित वक्ता के रूप में विचार रखे।

इस अवसर पर डॉ शिवा श्रीवास्तव के कविता - संग्रह 'भावना के विविध रंग', नित्यानंद तिवारी की रचना 'महात्मा के जीवन मूल्य' का विमोचन हुआ। डॉ इंदीवर की आने वाली किताब 'भारतीय समाजवाद की त्रयी' का पोस्टर भी श्रोताओं के सामने प्रदर्शित किया गया।

फोटो : सुनील सक्सेना

रघु ठाकुर ने कविता संग्रह 'भावना के विविध रंग' की सराहना करते हुए कहा कि डॉ शिवा श्रीवास्तव की कविता में मनुष्यता, समता के दर्शन में आस्था व नारी की पीड़ा परिलक्षित होती है। इसी तरह नित्यानंद तिवारी की किताब 'महात्मा के जीवन मूल्य' में अहिंसा का संदेश वेदों से निसृत होता दिखाई देता है।

रघु ठाकुर ने लोहिया, साहित्य व समाज के अंतसंबंध पर बोलते हुए कहा साहित्य हो या समाज सभी का काम अच्छाई व अच्छे लोगों का प्रचार करना है। विचार की भिन्नता भले रहे, व्यवहार में लोकतंत्र होगा तो वह भी समाजवाद ही होगा। डॉ लोहिया सदैव साहित्यकार की आजादी व उसकी निजी चेतना के पक्षधर रहे। उनके अनुयाई आलोचक डॉ विजयदेवनारायण साही तो यहां तक कहते थे कि अति साधारण लोगों के हित में लिखते व काम करते हुए जो साहित्यकार दुनिया से जाये उसी को शहीद का दर्जा मिलना चाहिए।

रघु ने कहा आपातकाल से भी पहले सन 1973 में वे मीसा में भोपाल जेल में बंद थे तभी श्रेष्ठ साहित्य से उनका परिचय हुआ, डी जी तेन्दूलकर की आठ खंडों में लिखी महात्मा गांधी की जीवनी से यहीं परिचित हुए जिसने जीवन की बदली। आज यदि कोई अपने बच्चे को लोहियावादी या समाजवादी नहीं बनाना चाहता तो उसके पीछे अच्छे साहित्य का न मिलना भी एक कारण है।

लखनऊ से आये उत्तर प्रदेश कबीर अकादमी के निदेशक डॉ इंदीवर ने कहा कि समाजवादी चरित्र क्या होता है यह रघु ठाकुर को देखकर कोई जान सकता है। आचार्य मम्मट ने कहा है कि साहित्य का काम लोकहित की बात करना है। लोहिया यही बात कहते थे। लेकिन आज वर्गहित हावी हो गया है। लोहिया के सांस्कृतिक मानस का प्रभाव उनके समय के रचनाकारों पर पड़ा और नवलेखन को प्रोत्साहन मिला। नदियों को साफ करने की बात हो , अन्याय के प्रतिकार के लिए प्रतिबद्ध होने के कारण द्रौपदी को सर्वश्रेष्ठ नारी निरूपित करने की बात हो, लोहिया के सांस्कृतिक मानस को उनके समय के व परवर्ती साहित्यकारों ने स्वीकार किया। लोहिया ने नदियों को सांस्कृतिक प्रवाह कहा। अज्ञेय, विद्यानिवास मिश्र व केदारनाथ सिंह जैसे रचनाकारों ने इस भाव को अपनाया। विधानसभा से राजनारायण को जबरदस्ती जब बाहर किया जा रहा था और राजनारायण को बाहर करना कठिन हो रहा था तब इस सत्याग्रह की तुलना लोहिया ने भक्त प्रह्लाद के सत्याग्रह से की और उन्हें आजाद भारत का अपराजेय सत्याग्रही घोषित किया। लोहिया भारतीय वांग्मय से भलीभांति परिचित थे इसीलिए चित्रकूट में रामायण मेला शुरू करने के वारे में सोच सके और राम - कृष्ण - शिव को क्रमशः मयार्दा, उन्मुक्तता और गंभीरता का प्रतिरूप बताया। सिविल नाफरमानी के साहस और अन्य गुणों के कारण समाजवादी ही गांधी जी के सच्चे उत्तराधिकारी हैं और गांधी को समझना ही इस देश को समझना है।

जाने माने पत्रकार जयराम शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र में लोहिया के प्रभाव पर विस्तार से बोलते हुए कहा कि संसद में हुई तीन आना बनाम पंद्रह आना की ऐतिहासिक बहस हो, विश्व-नागरिकता या चौखंबा राज की अवधारणा , सबके मूल में कहीं न कहीं विंध्य की घोर गरीबी और अन्याय आधारित समाज से जुड़ी कोई न कोई घटना थी। लोहिया खुद को कुजात गांधीवादी कहते थे जो गरीबों के सपनों में विचार बोते थे और उम्मीद जगाते थे कि वो सुबह कभी तो आयेगी। आज जब पढ़ने में आता है कि भारत में भुखमरी बढ़ रही है तब लोहिया के विचार और उनके सपनों का समाज याद आता है। विंध्य के एक चुनाव में लोहिया के द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवार सेठ रामरतन को सीपी तिवारी - जगदीश जोशी व श्रीनिवास तिवारी द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवार भगवानदत्त शास्त्री ने हरा दिया तब लोहिया ने इस हार को बिना किसी कटुता के स्वीकार किया था। लोहिया का मानस इतना लोकतांत्रिक था।

जयराम शुक्ल ने बताया कि विंध्य के महत्वपूर्ण व्यक्तित्व डॉ चंद्रिकाप्रसाद चंद्र ने रघु ठाकुर को समाजवाद का जीवंत पृतिरूप बताया था। लोहिया जिस तरह वैचारिक दृढ़ता और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिमान थे रघु जी में वही बात नजर आती है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व - कुलपति दीपक तिवारी ने वर्तमान समाज को सोशल मीडिया के प्रभाव से आक्रांत बताते हुए कहा आज वोट भी उसे मिल रहे हैं जो सोशल मीडिया पर खर्च कर रहा है। विचार बीस सेकंड की रील्स में सीमित हो रहे हैं। लोगों ने पढ़ना बंद कर दिया है। यह स्थिति समाज व लोकतंत्र के लिए घातक है। अभिमंच न्यास द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम समता ट्रस्ट के सहयोग से सम्पन्न हुआ। संचालन नित्यानंद तिवारी ने व धन्यवाद ज्ञापन समता ट्रस्ट के अध्यक्ष मदन जैन ने किया।

आयोजन में भोपाल सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों के बुद्धिजीवी, प्रशासक व वरिष्ठ पत्रकार व गणमान्य लोग श्रोता के रूप पहुंचे।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने छह प्रतिष्ठित मलेशियाई विश्वविद्यालयों के साथ MoU और LOI पर हस्ताक्षर किए

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (NIU) ने अंतरराष्ट्रीयकरण और शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मलेशिया के छह प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ चार समझौता ज्ञापन और दो आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। ये साझेदारियां अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जो NIU के छात्रों और संकाय सदस्यों को वैश्विक अवसर प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

NIU के माननीय चेयरमैन डॉ. देवेश कुमार सिंह के विजन के तहत, कुलपति प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज ने व्यक्तिगत रूप से मलेशिया का दौरा कर इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल NIU की सीमाओं से परे जाकर परिवर्तनकारी शैक्षणिक अवसर उत्पन्न करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

वैश्विक सहयोगः अनुसंधान के नए अवसरों का मार्ग

NIU के प्रतिनिधिमंडल ने मलेशिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ समझौते किए, जिनमें दर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में शामिल प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं:

- यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया (UM) वैश्विक रैंक 65
- यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी मलेशिया (UTM) वैश्विक रैंक 161
- सनवे यूनिवर्सिटी - मलेशिया के शीर्ष निजी विश्वविद्यालयों में से एक
- यूनिवर्सिटी टुनकु अब्दुल रहमान (UTAR) - शीर्ष 600 विश्वविद्यालयों में शामिल
- मलेशिया यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड

टेक्नोलॉजी (MUST) - एक अग्रणी अनुसंधान-आधारित संस्थान
- यूनिवर्सिटी मलेशिया ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (UNIM)- प्रौद्योगिकी आधारित प्रमुख विश्वविद्यालय
- TAR UMT - एक सम्मानित बहु-विषयक संस्थान

प्रतिनिधिमंडल ने अन्य प्रमुख मलेशियाई विश्वविद्यालयों के साथ भी संभावित सहयोग के अवसरों का अन्वेषण किया, ताकि NIU का वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क और अधिक विस्तारित हो सके।

सहयोग का एजेंडाः अनुसंधान और नवाचार पर ध्यान केंद्रित

इन समझौतों का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों में अनुसंधान और सतत विकास को बढ़ावा देना है, जो वैश्विक और स्थानीय चुनौतियों के समाधान के लिए महत्वपूर्ण हैं।

1. द्विपक्षीय अनुसंधान सहयोग
- सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों पर शोध
- हाइड्रोजन उत्पादन और ऊर्जा भंडारण समाधान
- कार्बन फुटप्रिंट में कमी और सतत विकास लक्ष्यों पर अनुसंधान
- उन्नत कृषि तकनीकों का उपयोग कर नवाचार
- कम्प्यूटेशनल टूल्स और प्रौद्योगिकियों के लिए समाधान

हाइड्रोजन अनुसंधान पर विशेष जोर भारत में स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। इन शोध परियोजनाओं के परिणाम भारत के सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देंगे।

प्रमुख शोध प्रकाशन और पेटेंट

इस साझेदारी का लक्ष्य अग्रणी शोध पत्रिकाओं में संयुक्त प्रकाशन और पेटेंट पंजीकरण को बढ़ावा देना है। NIU और मलेशियाई विश्वविद्यालयों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान दोनों संस्थानों में अनुसंधान की संरचना को मजबूत करेगा।

नवाचार-उन्मुख अनुसंधान वातावरण का विकास
- वैश्विक और स्थानीय चुनौतियों के प्रासंगिक शोध क्षेत्रों की पहचान करना
- संस्थानों की प्राथमिकताओं के अनुसार शोध सुविधाएं स्थापित करना
- संकाय विकास और शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना
- अनुसंधान परियोजनाओं के लिए फंडिंग एजेंसियों के साथ सक्रिय सहभागिता

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये तरुण मित्र परिषद ने सिलाई मशीनें वितरित की

अखिल भारतीय संस्था तरुण मित्र परिषद ने एक सादे कार्यक्रम में सेवा भारती द्वारा कैलाश नगर मे संचालित प्रशिक्षण केंद्र में 10 सिलाई मशीनें जरूरतमंद महिलाओं को प्रदान कीं । इस प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उनके जीवन को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन (मनोनीत निगम पार्षद) ने बताया कि परिषद द्वारा वर्तमान मे 53वां दिव्यांग कैम्प जूनागढ (गुजरात) मे लगाया गया है ।

इस अवसर पर परिषद के महासचिव अशोक जैन ने कहा, "हमारी संस्था पिछले 49 वर्षों से न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश में जरूरतमंद लोगों का सहयोग और सेवा करती आ रही है। समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर बच्चों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हम कृत संकल्पित हैं।"

कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ परिषद के सहसचिव आलोक जैन, संगठन सचिव राकेश जैन, राम किशोर शर्मा, सेवा भारती के प्रांत विद्यार्थी प्रमुख सतीश शर्मा, प्रांत पर्यावरण टोली से महेंद्र अग्रवाल, और अन्य विशिष्ट अतिथि भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया गया, और समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए इस तरह के प्रयासों को भविष्य में भी जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

दिवाली पूजन

शुभ मुहूर्त पर करें मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा

पुराणों के अनुसार त्रेतायुग में जब भगवान श्रीराम रावण का वध कर वापस अयोध्या लौटे थे तब वहां के लगों ने उनका स्वागत दीप जलाकर किया था। इसी स्वागत को हर वर्ष लोग दिवाली के त्योहार के रूप में मनाते हैं। दिवाली के दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही पूरे घर को दीपों से सजाकर मां लक्ष्मी के आगमन का स्वागत किया जाता है। गणेश-लक्ष्मी की पूजा के बाद खील-बतासे का प्रसाद बांटकर एक दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

दिवाली या दीपावली हिन्दू धर्म का प्रमुख त्यौहार है। यह 4 दिवसीय पर्व है, जो धनतेरस से भाई दूज 4 दिनों तक चलता है। दिवाली अंधकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता पर्व है। हर साल कार्तिक मास की अमावस्या के दिन दीपावली पर मां लक्ष्मी और श्रीगणेश की पूजा करने का विधान है। इस बार दिवाली का पर्व 31 अक्तूबर 2024 (बृहस्पतिवार) को मनाया जाएगा। पुराणों के अनुसार, दीपावली के दिन ही श्रीराम अयोध्या लौटे थे। भगवान राम के आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने उनका दीप जलाकर स्वागत किया था। सुख-समृद्धि की कामना के लिए दिवाली से बढ़कर कोई त्यौहार नहीं होता इसलिए इस अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा भी की जाती है। दीपदान, धनतेरस, गोवर्धन पूजा, भैया दूज जैसे त्यौहार दिवाली के साथ-साथ ही मनाए जाते हैं।

दिवाली का महत्व

पुराणों के अनुसार, त्रेतायुग में जब भगवान श्रीराम रावण का वध कर वापस अयोध्या लौटे थे तब वहां के लगों ने उनका स्वागत दीप जलाकर किया था। इसी स्वागत को हर वर्ष लोग दिवाली के त्यौहार के रूप में मनाते हैं। दिवाली के दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है. इस दिन घर के मुख्य द्वार पर रंगोली बनाई जाती है। साथ ही पूरे घर को दीपों से सजाकर मां लक्ष्मी के आगमन का स्वागत किया जाता है। भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा के बाद खील और बतासे का प्रसाद बांटकर एक दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दी जाती हैं। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं। इससे व्यक्ति के घर में धन की कोई कमी नहीं रहती है।

दिवाली पर ध्यान रखें ये खास बातें

- लक्ष्मी पूजन की सामग्री में गन्ना, कमल गट्टा, खड़ी हल्दी, बिल्वपत्र, पंचामृत, गंगाजल, ऊन का आसन, रत्न आभूषण, गाय का गोबर, सिंदूर, भोजपत्र का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए।
- मां लक्ष्मी को पुष्प में कमल व गुलाब प्रिय हैं। फल में श्रीफल, सीताफल, बेर, अनार व सिंघाड़े प्रिय हैं। इनका भोग जरूर लगाएं।
- सुगंध में केवड़ा गुलाब, चंदन के इत्र का इस्तेमाल महालक्ष्मी पूजन में जरूर करें।
- अनाज में चावल और मिठाई में घर में शुद्ध घी से बनी केसर की मिठाई या हलवा नैवेद्य में जरूर रखें।
- व्यावसायिक प्रतिष्ठान और गद्दी की भी विधि पूर्वक पूजा करें।
- लक्ष्मी पूजन रात के 12 बजे करने का विशेष महत्व होता है।
- धन की देवी लक्ष्मी जी को प्रसन्न करना है तो दीयों के प्रकाश के लिए गाय का घी, मूंगफली या तिल के तेल का इस्तेमाल करें।
- रात को 12 बजे दीपावली पूजन के बाद चूने या गेरू में रुई भिगोकर चक्की, चूल्हा, सिल तथा छाज (सूप) पर तिलक करें।
- दीपकों का काजल स्त्री और पुरुष अपनी आंखों पर जरूर लगाएं।
- दीपावली के दूसरे दिन सुबह 4 बजे उठकर पुराने छाज में कूड़ा रखकर उसे दूर फेंकने के लिए ले जाते समय 'लक्ष्मी-लक्ष्मी आओ, दरिद्र-दरिद्र जाओ' कहने की मान्यता है।

संकलन: ज्योति राठौर

दिवाली 2023 शुभ मुहूर्त

अमावस्या तिथि का प्रारम्भ
31 अक्तूबर - 01:52 बजे से
अमावस्या तिथि का समापन
01 नवंबर - 06:16 तक
लक्ष्मी पूजन का समय
31 अक्तूबर शाम 06:27 बजे से शाम 08:32 बजे तक

दिवाली से पहले कुबेर की पूजा करने से मिलता है बेशुमार खजाना!

दिवाली का पर्व भारत में समृद्धि, धन और समृद्धि का प्रतीक है। इस अवसर पर देवी लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान कुबेर की पूजा भी महत्वपूर्ण होती है। कुबेर जो धन के देवता माने जाते हैं, उनकी पूजा दीवाली से एक दिन पहले यानि धनतेरस पर की जाती है। यह दिन विशेष रूप से धन और संपत्ति की प्राप्ति के लिए बहुत शुभ माना जाता है। कुबेर जी की पूजा से न केवल आर्थिक समृद्धि बल्कि मानसिक शांति और खुशियों का भी मार्ग प्रशस्त होता है।

कुबेर जी की पूजा कब करें: धनतेरस पर विशेष रूप से शाम के समय या शाम को त्रयोदशी तिथि में कुबेर जी की पूजा करनी चाहिए। इस दिन लोग नए बर्तन, सोना या चांदी खरीदते हैं, जिससे धन की देवी लक्ष्मी और कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके। पूजा के दौरान, एक सुंदर स्थान पर कुबेर जी की प्रतिमा या चित्र रखें और उनकी आरती और मंत्रों का जाप करें।

धन और समृद्धि की प्राप्ति: कुबेर जी की पूजा करने से धन में वृद्धि होती है और आर्थिक समृद्धि की संभावनाएं बढ़ती हैं।

वित्तीय समस्याओं का समाधान: नियमित रूप से कुबेर जी की पूजा करने से वित्तीय समस्याएं दूर होती हैं और धन के आगमन के मार्ग खुलते हैं।

सुख-समृद्धि: कुबेर जी का आशीर्वाद प्राप्त करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

व्यापार में सफलता: व्यापारियों के लिए कुबेर जी की पूजा विशेष रूप से लाभकारी होती है। इससे व्यापार में तरक्की और लाभ की संभावना बढ़ती है।

कर्ज मुक्त होना: कुबेर जी की कृपा से कर्ज से मुक्ति मिलती है और आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो जाते हैं।

राशिफल साप्ताहिक

27 अक्तूबर से 02 नवंबर 2024

मेष: यह सप्ताह चुनौतियों भरा रहता है। सप्ताह की शुरूआत से ही आपके सिर पर निजी और कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याएं बनी रहेंगी, जिन्हें एक-एक कर शांति और विवेक के साथ सुलझाने की आवश्यकता रहेगी। मेष राशि के जातकों को इस सप्ताह लोगों की छोटी-मोटी बातों पर उलझने से बचना होगा। यात्रा के दौरान अपने शरीर और सामान दोनों को खूब ख्याल रखें।

वृषभ: इस सप्ताह का पूर्वार्ध हर सोचे काम को समय पूरा करने वाला रहेगा। सप्ताह की शुरूआत में ही आपको अपने करियर-कारोबार से जुड़ी कोई शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है। यदि आप रोजी-रोजगार में इन दिनों भटक रहे हैं तो इस सप्ताह आपकी यह कामना पूरी हो सकती है। माता-पिता आपकी कोई बड़ी फरमाइश पूरी करके आपको सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं।

मिथुन: यह सप्ताह काफी आपाधापी भरा रह सकता है। सप्ताह की शुरूआत से ही आपको कामकाज के सिलसिले में भागदौड़ करनी पड़ सकती है। नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

कर्क: यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लेकर आया है, लेकिन आप इसका अधिक लाभ तभी उठा पाएंगे जब आप अपने काम को कल पर टालने की बजाय समय पर करेंगे और लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने का प्रयास करेंगे, प्रेम संबंध के लिए यह समय आपके लिए पूरी तरह से अनुकूल रहेगा।

सिंह: इस सप्ताह कोई भी काम आधे-अधूरे मन से नहीं करना चाहिए और न ही उसे किसी दूसरे के भरोसे छोड़ना चाहिए अन्यथा आपको बेवजह की परेशानी उठानी पड़ सकती है। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में अपने कंपटीटर से कड़ा मुकाबला करना पड़ सकता है। आपके विरोधी काम में अड़ंगे डाल सकते हैं, इसलिए अपने कामकाज में जरा भी लापरवाही न बरतें।

कन्या: इस सप्ताह सोचे हुए काम को समय पर पूरा करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। सुखद पहलू यह है कि आपके कोशिशें रंग लाएंगी और आपके लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। आप अपने आत्मविश्वास और साहस के बल पर बड़े से बड़े मसले को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। परिजन और मित्रों का पूरा सहयोग और समर्थन हासिल रहेगा।

तुला: इस सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। इस सप्ताह आपको न सिर्फ तमाम स्रोतों से लाभ होगा बल्कि आपकी वाहन, भूमि, भवन जैसी तमाम बड़ी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। सप्ताह की शुरूआत किसी धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए होगी। इस दौरान तीर्थाटन के योग बनेंगे। किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से सत्ता-सरकार से जुड़े मामले सुलझेंगे।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि वालों का आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय आसानी से टूटता नहीं है लेकिन उन्हें इस सप्ताह किसी भी काम को करते समय अतिआत्मविश्वास से बचने की जरूरत रहेगी अन्यथा फायदे की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोग कार्यक्षेत्र में उतनी ही काम की जिम्मेदारी लें, जितना समय पर पूरा करके दे सकें।

धनु: यह सप्ताह गुडलक लिए हुए हैं। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सौभाग्य का साथ मिलेगा। करियर-कारोबार के क्षेत्र में बड़ी सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। चूंकि आपके सभी काम समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे, इसलिए आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी।

मकर: इस सप्ताह परिश्रम का पूरा फल न मिलने और कार्य में कुछेक बाधा आने के कारण मकर राशि के जातकों का मन परेशान रहेगा। कामकाज के सिलसिले में बेवजह की भागदौड़ करनी पड़ सकती है। निजी जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियां और चुनौतियां आपके पेशेवर काम को प्रभावित करेंगी। प्रेम संबंध के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है।

कुंभ: इस सप्ताह किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। सप्ताह की शुरूआत में ही किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से घर-परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। घर में धार्मिक-मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। परिवार के सदस्यों के साथ हंसी-खुशी समय बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। इस सप्ताह अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है।

मीन: इस सप्ताह हारिए न हिम्मत, बिसारिए न राम महामंत्र याद रखना होगा और किसी भी चुनौती का विवेक और साहस के साथ सामना करने की जरूरत रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को यह बात समझना होगा कि ऐसी कोई भी समस्या नहीं जिसका समाधान नहीं है। प्रेम प्रसंग की दृष्टि से यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है।

आयरन लेडी के रूप में जानी जाती हैं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी

॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥

आयरन लेडी के रूप में विश्व विख्यात श्रीमती इंदिरा गांधी का जन्म देश के एक आर्थिक एवं बैद्धिक रूप से समृद्ध परिवार में 19 नवंबर 1917 को इलाहाबाद के आनंद भवन में हुआ था। उनके पिता पं. जवाहर लाल नेहरू तथा माता का नाम श्रीमती कमला नेहरू तथा दादा का नाम पं. मोती लाल नेहरू था। इनके दादा देश के जाने-माने वकील थे। इन्हें दादा से ज्यादा लाड़-दुलार मिला क्योंकि यह घर की

पुण्यतिथि पर विशेष

इकलौती संतान थी।

उनका पूरा नाम 'इंदिरा प्रियदर्शिनी' था। उन्हें एक घरेलू नाम भी मिला जो इंदिरा का संक्षिप्त रूप 'इंदु' था। उनका इंदिरा नाम उनके दादा पंडित मोतीलाल नेहरू ने रखा था। जिसका मतलब होता है कांति, लक्ष्मी एवं शोभा। इस नाम के पीछे की वजह यह थी कि उनके दादाजी को लगता था कि पौत्री के रूप में उन्हें मां लक्ष्मी और दुर्गा की प्राप्ति हुई है। इंदिरा को उनका 'गांधी' उपनाम गुजराती पारसी फिरोज गांधी से विवाह के बाद मिला था। इंदिरा जी को बचपन में भी एक स्थिर पारिवारिक जीवन का अनुभव नहीं मिल पाया था। इसकी वजह यह थी कि 1936 में 18 वर्ष की उम्र में ही उनकी मां श्रीमती

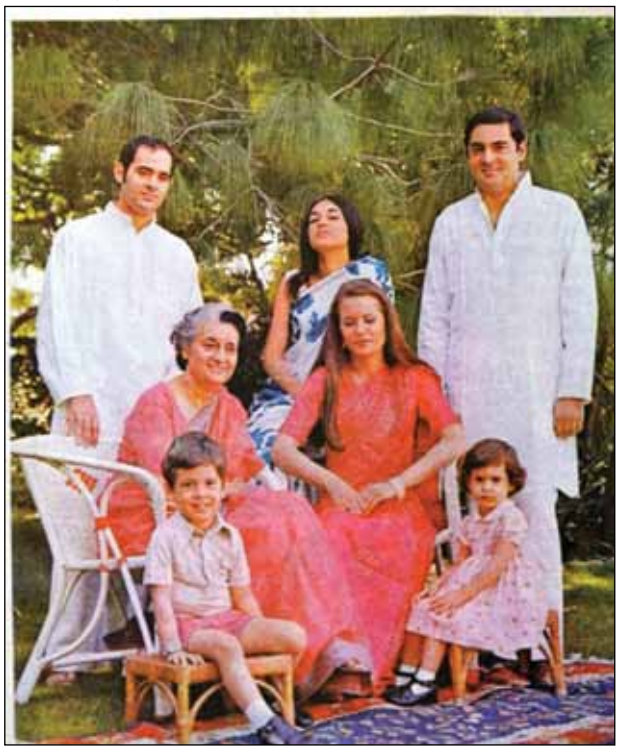

कमला नेहरू का तपेदिक के कारण एक लंबे संघर्ष के बाद निधन हो गया था और पिता हमेशा स्वतंत्रता आंदोलन में व्यस्त रहे। इंदिरा की प्रारंभिक शिक्षा उनके आवास आनंद भवन में ही हुई। फिर कविवर रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा स्थापित शांति निकेतन में कुछ समय तक शिक्षा प्राप्त की। उसके बाद वह उच्च शिक्षा हेतु इंग्लैंड गई वहां से आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययन करके वह भारत आ गई।

इंदिरा जी शुरू से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहीं। बचपन में उन्होंने महात्मा गांधी की प्रेरणा से 'बाल चरखा संघ' की स्थापना की और असहयोग आंदोलन के दौरान कांग्रेस पार्टी की सहायता के लिए 1930 में बच्चों के सहयोग से 'वानर सेना' का निर्माण किया। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय सहभागिता के लिए सितम्बर 1942 में उन्हें जेल में डाल दिया गया। 1947 में इन्होंने गांधी जी के मार्गदर्शन में दिल्ली के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में कार्य किया।

पंडित नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे। 1950 के दशक में उन्होंने पंडित नेहरू के सहायक के रूप में भी कार्य किया। लंदन में अध्ययन के दौरान ही इनकी मुलाकात फिरोज गांधी से हुई थी। उन्होंने 26 मार्च 1942 को फिरोज गांधी से विवाह किया। उनके दो पुत्र राजीव तथा संजय थे। 1960 में उनके पति फिरोज गांधी का स्वर्गवास हो गया।

27 मई 1964 में नेहरू जी की मृत्यु हो गयी। लालबहादुर शास्त्री देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने। 11 जनवरी 1966 को भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की असामयिक मृत्यु के बाद 24 जनवरी 1966 को इंदिरा गांधी भारत की तीसरी और प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं। इसके बाद तो वह लगातार तीन बार 1967-1977 और फिर चौथी बार 1980-84 देश की प्रधानमंत्री बनीं। 1967 के चुनाव में वह बहुत ही कम बहुमत से जीत सकी थीं लेकिन 1971 में फिर से वह भारी बहुमत से प्रधानमंत्री बनीं और 1977 तक रहीं। 1977 के बाद वह 1980 में एक बार फिर प्रधानमंत्री बनीं और 1984 तक प्रधानमंत्री के पद पर रहीं। इंदिरा गांधी ने 1971 के भारत पाक युद्ध में विश्व शक्तियों के सामने न झुकने के नीतिगत और समयानुकूल निर्णय क्षमता से पाकिस्तान को परास्त किया और बांग्लादेश को मुक्ति दिलाकर स्वतंत्र भारत को एक नया गौरवपूर्ण क्षण दिलवाया। दृढ़ निश्चयी और किसी भी परिस्थिति से जूझने और जीतने की क्षमता रखने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने न केवल इतिहास बल्कि पाकिस्तान को विभाजित कर दक्षिण एशिया के भूगोल को ही बदल डाला और 1962 के भारत चीन युद्ध की अपमानजनक पराजय की कड़वाहट धूमिल कर भारतीयों में जोश का संचार किया। आधुनिक भारत के निर्माता जवाहर लाल नेहरू ने भारत में कई महत्वपूर्ण पहल कीं, लेकिन उन्हें अमली जामा इंदिरा गांधी ने पहनाया। चाहे रजवाड़ों के प्रिवीपर्स समाप्त करना, बैंकों का राष्ट्रीयकरण हो अथवा कोयला उद्योग का राष्ट्रीयकरण... इनके जरिए उन्होंने अपने आपको गरीबों और आम आदमी का समर्थक साबित करने की सफल कोशिश की। ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक विकास के लिए बैंकों का विस्तार ग्रामीण भारत में काफी हुआ। 1971 का चुनाव उन्होंने "गरीबी हटाओ" के नारे के बलबूते जीता था। चौथे राष्ट्रपति चुनाव में कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार श्री नीलम संजीव रेड्डी की जगह स्वतंत्र उम्मीदवार श्री वी.वी. गिरी को राष्ट्रपति चुनाव जीताकर उन्होंने अपनी अलग छबि बनायी।

इंदिरा गांधी 16 वर्ष देश की प्रधानमंत्री रहीं और उनके शासनकाल में कई उतार-चढ़ाव आए। जय प्रकाश नारायण ने इन्दिरा गांधी की सरकार के विरूद्ध अवज्ञा आन्दोलन प्रारंभ किया। इस अस्थिरता के चलते 1975 में आपातकाल लागू करके अपने सभी राजनीतिक विरोधियों को जेलों में डाल दिया। इस कठोर फैसले को लेकर इंदिरा गांधी को भारी विरोध-प्रदर्शन और तीखी आलोचनाएं झेलनी पड़ी थी। हालांकि कांग्रेस को 1977 के चुनाव में गठबंधन पार्टी से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन 1980 में उन्होंने भारी बहुमत से वापसी की। फिर 1983 में उन्होंने नई दिल्ली में निर्गुट सम्मेलन और उसी साल नवंबर में राष्ट्रमंडल राष्ट्राध्यक्षों के सम्मेलन का आयोजन किया। इनसे भारत की अंतरराष्ट्रीय छबि सशक्त हुई। एक ऐसी महिला जो न केवल भारतीय राजनीति पर छाई रहीं बल्कि विश्व राजनीति के क्षितिज पर भी वह विलक्षण प्रभाव छोड़ गईं। यही वजह है कि उन्हें आयरन लेडी अर्थात लौह महिला के नाम से संबोधित किया जाता है। आज इंदिरा गांधी को सिर्फ इस कारण नहीं जाना जाता कि वह पंडित जवाहरलाल नेहरू की बेटी थीं बल्कि इंदिरा गांधी अपनी प्रतिभा और राजनीतिक दृढ़ता के लिए 'विश्व राजनीति' के इतिहास में हमेशा जानी जाती रहेंगी। उन्हें विश्व भर के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया था। विश्वविख्यात कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें विशेष योग्यता प्रमाण दिया गया था।

वह लम्बे काल कुल 16 वर्ष तक देश की एक सफल प्रधानमंत्री रहीं उनके शासनकाल में कई उतार-चढ़ाव आए। लेकिन 1975 में आपातकाल, 1984 में सिख दंगा जैसे कई मुद्दों पर इंदिरा गांधी को भारी विरोध-प्रदर्शन और तीखी आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी थी। 1984 में हथियारों से लेस सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में शरण ले ली थी। विवश होकर उन्हें मंदिर के अंदर सेना भेजनी पड़ा। प्रधानमंत्री आवास में 31 अक्टूबर 1984 को उनके ही दो सिख अंगररक्षकों ने उनकी हत्या कर दी थी।

महान नेता इंदिरा जी ने अपनी हत्या के एक दिन पहले ही उड़ीसा में अपना आखरी भाषण देते हुए कहा था- 'मैं आज जीवित हूं, शायद कल संसार में नहीं रहूंगी, फिर भी मैं अपनी आखरी सांस तक देश की सेवा करती रहूंगी और जब मैं मरूंगी मेरे खून की एक-एक बूंद भारत को शक्ति देगी और अखण्ड भारत को जीवित रखेगी।' आत्मा अजर अमर अविनाशी है। इन्दिरा जी देह के रूप में हमारे बीच नहीं है लेकिन वह एक साहसी आयरन लेडी के सूक्ष्म रूप में देश सहित सारे विश्व का सदैव मार्गदर्शन करती रहेंगी। जब तक सूरज चाँद रहेगा, इन्दिरा तेरा धरती पर नाम रहेगा। देश की जनता को अपने महान नेताओं के बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। चाहे हम किसी भी राजनीतिक दल के समर्थक क्यों न हो? देश सदैव अपने दिवंगत राजनेताओं के बलिदान तथा त्याग का ऋणी रहेगा।

भारतीय जनता पार्टी के दावे की असलियत

भाजपा का सदस्यता अभियान एक प्रकार से फर्जीवाड़ा जैसा बन गया है। अभी पिछले दिनों मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक अजय बिश्नोई का बयान आया था जिसमें बताया था कि किसी व्यक्ति ने उन्हें फोन कर भाजपा की सदस्यता अभियान का ठेका दिलाने का अनुरोध उनसे किया था। उन्होंने उस की रपट पुलिस थाने में भी कराई है। तथा शिकायत कर मुकदमा दर्ज भी कराया है । जहां आग होती थी वहां धुआं निकल ता है। कहीं ना कहीं यह बात अंदर चल रही है कि भाजपा की सदस्यता बनाने का ठेका दिया जा रहा है और अब उसी कड़ी में एक कडी और जुड़ गई है ।

गुजरात जूनागढ़ के रहने वाले कमलेश भाई तुमर ने जो राजकोट के रणछोड़ दास बापू चैरिटी अस्पताल में आँख के आपरेशन के लिए भर्ती थे। आधी रात को एक नौजवान आया। उसने लगभग ढाई सौ उन लोगों को जो अस्पताल में भर्ती थे जाकर उनके आधार कार्ड नंबर मांगे ,नहीं मिलने पर उनके मोबाइल लिए और किसी ने टालने का प्रयास किया तो उसका मोबाइल हाथ में लेकर उसे भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बना दिया। तुमर ने इसका वीडियो भी बनाया और प्रेस को भी बताया।

अगर इस प्रकार से अस्पतालों के मरीजों को, जेल के कैदियों को, बंदी लोगों को,स्कूल के विद्यार्थियों को, स्कूल के मास्टरों को एक प्रकार से लाचार करके, और ठेके पर सदस्यता बढ़ाई जा रही है तो क्या यह भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता मानी जाय। भारतीय जनता पार्टी के लोगों को और उनकी नियंत्रक संघ को भी सोचना चाहिए कि इस फर्जी वाडे की सदस्यता से दावा करना कि उसकी पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है क्या हास्यास्पद नहीं है।

सिर्फ बुजुर्गों की बीमारी नहीं है ओस्टोरियोपारोसिस

कभी घुटने में दर्द, तो कभी पीठ या कमर में दर्द हो, सामान्य जीवन भी पहाड़ जैसा लगने लगता है। दर्द निवारक दवाएं लेकर टालते रहने से समस्या विकराल होती जाएगी, ऐसी दशा में तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। नहीं तो, यही दर्द एक दिन अचानक असहनीय हो जाएगा। दरअसल, लंबे समय तक बैठे रहने, खानपान में सजगता नहीं होने के कारण ओस्टोरियोपारोसिस का जोखिम रहता है। छोटी उम्र में इसके लक्षण नहीं दिखाई देते, 40-50 वर्ष की उम्र तक यह आपको चंगुल में फंसा सकता है। बुजुर्गों के अचानक गिर पड़ने या साधारण-सी चोट से कमर, कूल्हे या कलाई की हड्डियां टूट जाने की घटनाएं आस्टियोपोरोसिस के कारण अक्सर देखी जाती हैं।

क्या है आस्टियोपोरोसिस?

डॉ. एल. तोमर ने बताया कि आस्टियोपोरोसिस वह अवस्था होती है जब बोन मास डेंसिटी यानी बीएमडी में कमी आती है, बीएमडी यानी हड्डियों में मौजूद खनिज की मात्रा का कम होना। इससे हड्डियों के टूटने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। बता दें कि बीएमडी में कमी से पहले वाली अवस्था को 'ऑस्टियोपेनिया' कहते है। समय पर इसका उपचार न हुआ तो ओस्टियोपोरोसिस का जोखिम और बढ़ जाता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचावः जवानी से ही करें शुरूआत

चूंकि आस्टियोपोरोसिस को आमतौर पर बुजुर्गों की समस्या मान लिया जाता रहा है इसलिए समय पूर्व सजगता नहीं देखी जाती। सजगता यानी आप वयस्क होने से तक कितने सक्रिय रहते हैं और खानपान कैसा है, विटामिन डी, कैल्शियम व प्रोटीन को उचित मात्रा में लेते हैं या नहीं। दरअसल, इससे पीक बोन मास को बेहतर रखने में मदद मिल सकती है। पीक बोन मास वह अवस्था है जब हड्डियों का घनत्व सबसे अधिक होता है। बीस से तीस साल की उम्र तक यह उच्चतम रहता है उसके बाद उसमें ह्रास होना शुरू हो जाता है। यदि वयस्क की उम्र में यह अच्छा है तो इसकी प्रबल संभावना है कि आप आगे जाकर आस्टियोपोरोसिस से बचे रह सकते हैं। पर इसके उलट की इस कठिनाई की आशंका बनी रहेगी।

फिजिकली एक्टिव रहें

अगर आप अच्छा खानपान रखते हैं। भोजन में उचित मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन आदि मौजूद रहता है। पूरक आहार का भी सेवन कर रहे हैं पर आपकी दिनचर्या में शारीरिक सक्रियता का अभाव है तो इससे आपकी समस्या कम होने के बजाय बढ़ सकती है। आपको चलने में परेशानी हो रही हो, दर्द बना रहता है इसके बाद भी आपको टहलना, सक्रिय बने रहना चाहिए।

ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा किसे रहता है?

फिजिकली एक्टिव न होना

कैल्शियम और विटामिन डी की कमी वाले लोग

धूम्रपान करने वाले

अधिक शराब पीने वाले

रुमेटाइड आर्थराइटिस के रोगी

स्टेरॉयड दवाएं लेने वाले

इन बातों का रखें ध्यान

हमारे देश में 70 प्रतिशत लोग विटामिन डी की कमी के शिकार हैं। विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण के लिए आवश्यक है। इसकी कमी शरीर को कैल्शियम से भी दूर कर सकती है।

शरीर में कैल्शियम का अवशोषण 30 प्रतिशत तक होता है। यदि विटामिन डी की कमी रहे तो यह और भी कम हो सकता है।

अगर शरीर के निचले हिस्से में अक्सर दर्द रहता हैतो इसका एक कारण ओस्टोपोरोसिस भी हो सकता है।

नाखून का बदरंग होना या भुरभुराकर टूटते रहते हैं तो संभव है आप आस्टियोपोरोसिस के चपेट में आ रहे हों।

महिलाओं में मेनोपोज के बाद हड्डियों का ह्रास तीन से पांच प्रतिशत तक हर वर्ष होता है। यदि हार्मोन असंतुलन हो जाए तो यह 15 प्रतिशत तक भी हो सकता है।

कैल्शियम ही एकमात्र ऐसा खनिज नहीं है जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। मैग्नीशियम और जिंक सहित कई अन्य खनिज भी इसमें भूमिका निभाते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए खानपान

दूध और डेरी उत्पाद

दूध, दही, छाछ और पनीर कैल्शियम के बेहतरीन स्रोत हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

ब्रोकली, पालक और शलगम जैसी हरी सब्जियां कैल्शियम से भरपूर होती हैं और हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करती हैं।

फलियां

दालें और बीन्स कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं। ये न केवल हड्डियों को मजबूत बनाते हैं बल्कि शरीर को अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। हालांकि, फाइलेट्स नामक तत्व कैल्शियम के अवशोषण में बाधा डाल सकते हैं।

फल

नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ड्राई फ्रूट्स और बीज

अखरोट, बादाम और सूरजमुखी के बीज कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर होते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

आर.जे. रेखा के दूसरे काव्य संग्रह कोशिश करके देख का लोकार्पण

सुप्रसिद्ध रेडियो जॉकी, वॉइस ओवर आर्टिस्ट और टीवी एंकर आर.जे.रेखा के दूसरे काव्य संग्रह 'कोशिश करके देख' का लोकार्पण दि रॉयल बैंक्वेट, द्वारका में संपन्न हुआ।

विभिन्न विषयों पर केंद्रित 80 महत्वपूर्ण कविताओं से सजे दूसरे संकलन के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य कवि और लेखक, हिंदी अकादमी दिल्ली के उपाध्यक्ष पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी शंकर बाजपेई, सुप्रसिद्ध शिक्षाविद्-कवि एवं उद्भव

संस्था के चेयरमैन डॉ. विवेक गौतम, पत्रकार एवं कवयित्री ममता किरण, कवि चंद्रमणि ब्रह्मदत्त और समाजसेवी दिनेश उपाध्याय मंच पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर आवाज की दुनिया के चर्चित चेहरे मनीष त्रिपाठी, राजेंद्र सिंह और पत्रकार राजू बोहरा की उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रही।

एफ.एम.गोल्ड और बीबीसी से जुड़ी आर.जे. रेखा ने अपनी आवाज और उपस्थिति दुनिया के अनेक महत्वपूर्ण आयोजनों और उत्पादों के प्रचार-प्रसार में दी है। उनका प्रथम काव्य संग्रह मुझसे कहते तो भी काफी चर्चित रहा है।

बागवानी के शौकीन लोगों के लिए भले ही पौधे लगाना शौक की बात होती हो, लेकिन आपको बता दें कि कई पौधे आपको बड़ी बड़ी बीमारियों से बचाने में मदद कर सकते हैं. जी हां, कई शोधों में भी ये पाया गया है कि कुछ हाउस प्लांट हवा में मौजूद टॉक्सिन कैमिकल्स को फिल्टर करने और कुछ मन को शांत करने व मेंटल स्ट्रेस को दूर करने का काम भी करते हैं. इस तरह ये आपको हेल्दी रखने में काफी मदद कर सकते हैं. यहां हम कुछ ऐसे ही इंडोर प्लांट की जानकारी दे रहे हैं जो आपकी सेहत के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है.

गोल्डन पोथोस

गोल्डन पोथोस चौड़ी और दिल के आकार की पत्तियों वाला पौधा है. नासा के अध्ययन में पाया गया कि गोल्डन पोथोस अपने आसपास की हवा से फॉर्मेल्डिहाइड और टीसीई को फि ल्टर काफी हद तक दूर कर सकता है और हवा से 73% बेंजीन को हटाता है. गोल्डन पोथोस को कम या अधिक नमी वाले जगह पर आप आसानी से लगा सकते हैं.

स्नेक प्लांट

फोर्ब्स के मुताबिक, स्नेक प्लांट एक ऐसा इंडोर प्लांट है जिसे

मेंटेनेंस की अधिक जरूरत नहीं होती. बता दें कि यह हवा में मौजूद बेंजीन (जो एक ज्वलनशील, रंगहीन या हल्का पीला रसायन है), फॉर्मेल्डिहाइड (एक रंगहीन, ज्वलनशील गैस, जो जलन और कैंसर का कारण बन सकती है) और कुछ हद तक ट्राइक्लोरोइथीलीन को हवा से अवशोषित करने का काम कर सकता है. आप इसे घर में कहीं भी रख सकते हैं. बता दें कि इसे धूप पानी हवा की अधिक जरूरत नहीं होती.

स्पाइडर प्लांट

स्पाइडर प्लांट को क्लोरोफाइटम कोमोसम भी कहा जाता है. कई अध्ययनों में पाया गया है कि यह घर के अंदर की हवा से विषाक्त पदार्थों को हटाने में मदद करता है. यह पार्टिकुलेट मैटर, फॉर्मेल्डिहाइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन ऑक्साइड, ओजोन, जाइलीन, बेंजीन, टोल्यूनी आदि को भी अवशोषित करता है. यह सिगरेट के धुआं और अमोनिया के असर को भी कम कर सकता है. आप इसे घर के उस कोने में रख दें जहां धूप आती है.

इंग्लिश आइवी

इंग्लिश आइवी (हेडेरा हेलिक्स) को सदाबहार पौधा माना जाता है जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाला हाउस प्लांट है. इसकी कई प्रजातियां होती हैं. नासा के अध्ययन में परीक्षण किए गए अन्य पौधों की तुलना में, इंग्लिश आइवी ने हवा से बेंजीन का उच्चतम प्रतिशत लगभग 90% हटा दिया और यह टीसीई और फॉर्मेल्डिहाइड को हटाने में भी सक्षम रहा. इस तरह यह हमें कई जहरीले गैस के असर से बचाने का काम कर सकता है. इसे लगाते वक्त मिट्टी में कम पानी दें और सूखा भी नहीं रहने दें.

बैम्बू पाम

बैम्बू पाम घर के अंदर 6.5 फीट तक लंबा हो सकता है. यह आसपास की हवा से फॉर्मेल्डिहाइड, बेंजीन और टीसीई को सफलतापूर्वक हटाता है जिससे कई संभावित बीमारियों से हम बच सकते हैं. इसे आप तेज धूप में आसानी से उगाया जा सकता है.

न्यूजीलैंड महिला टी20 नई वर्ल्ड चैंपियन

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

एमिलिया केर और रोजमेरी मैयर की शानदार गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराकर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपना पहला खिताब जीता। केर और मैयर ने तीन-तीन विकेट चटकाए और दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी में 126/9 पर रोक दिया, जबकि न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158/5 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था।

न्यूजीलैंड की महिलाओं ने अपने पिछले टी20 विश्व कप फाइनल की कड़वी यादों को मिटा दिया और आखिरकार फाइनल में अपनी तीसरी यात्रा में जीत हासिल की। दूसरी ओर प्रोटियाज 2023 महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद लगातार दूसरे साल फाइनल में हार गई है।

पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहने पर अमेलिया केर, ब्रुक हॉलिडे और सूजी बेट्स ने न्यूजीलैंड को 20 ओवर में 158/5 का स्कोर बनाने में मदद की। जॉर्जिया प्लिमर और बेट्स ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन मारिजान कैप की गेंद पर प्लिमर के छक्के को सुने लुस ने कैच कर लिया। बेट्स जल्द ही नॉनकुलुलेको म्लाबा की गेंद पर बोल्ड हो गईं। नादिन डी

क्लार्क द्वारा सफल रिव्यू के बाद कप्तान सोफी डिवाइन को छह रन पर आउट कर दिया गया।

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने नियंत्रण कड़ा कर दिया और 5.4 से 13.5 ओवर के बीच कोई बाउंड्री नहीं लगी। हॉलिडे (38) ने बंधन तोड़ा, केर के साथ 57 रन की साझेदारी की। वह एनेके बॉश के हाथों कैच हो गईं। केर ने लगातार बाउंड्री लगाई, लेकिन नॉनकुलुलेको म्लाबा के हाथों आउट हो गईं। मैडी ग्रीन के आखिरी ओवर में लगाए गए छक्के की मदद से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 159 रन का लक्ष्य रखा।

सामने एक बड़ा लक्ष्य और दबाव के साथ, कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट (33) और टैजमिन ब्रिट्स (17) ने दक्षिण अफ्रीका को शानदार शुरूआत दिलाई।

टीम ने पावरप्ले में 47 रन बनाए और शानदार शुरूआत को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन अगले ही ओवर में फ्रैन जोनास ने टैजमिन को आउट कर दिया।

अपने कप्तान को आक्रमण जारी रखने में मदद करने के प्रयास में, टैजमिन ने बड़ा शॉट लगाने का प्रयास किया, लेकिन उनके शॉट की एक चूक ने ग्रीन को लॉन्ग ऑन पर एक आसान कैच थमा दिया, जिसने न्यूजीलैंड की टीम को फिर से जीवंत कर दिया।

विकेट गिरने के बाद कीवी टीम ने खेल पर नियंत्रण हासिल कर लिया और अगले ओवरों में अपने विरोधियों पर भारी दबाव बनाया, जिससे आवश्यक रन रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। नौवें ओवर में न्यूजीलैंड ने केवल एक रन दिया और लगातार पांच डॉट बॉल हुईं, जिसके बाद वोल्वार्ड्ट ने अगले ओवर की पहली गेंद पर दबाव कम करने की कोशिश की। केर को पकड़ने के प्रयास में, दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एक्स्ट्रा कवर पर कैच हो गईं, जबकि सूजी ने आसान कैच लपका।

कप्तान के आउट होने से न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण में जान आ गई, क्योंकि इसके तुरंत बाद एक छोटा-सा पतन हुआ। केर ने उसी ओवर की आखिरी गेंद पर एनेके बॉश (9) को आउट किया, जिसमें वोल्वार्ड्ट को आउट किया गया था, जब वह गेंद को स्वीप करने के प्रयास में चूक गईं, जिसके परिणामस्वरूप जोरदार अपील हुई, जिसे अंपायर ने खारिज कर दिया।

रिव्यू में दिखा कि, बॉश ने वास्तव में गेंद को छू लिया था, जिससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर आधे समय में 64/3 हो गया। इसके बाद मारिजान कैप (8), नादिन डी क्लार्क (6) और सुने लुस (8) जल्दी-जल्दी आउट हो गईं। केर ने वापसी करते हुए एनेरी डेरक्सन का विकेट लिया और इस ऐतिहासिक अभियान को और आगे बढ़ाया। प्रत्येक ओवर के साथ खेल दक्षिण अफ्रीका की पहुंच से बाहर होता जा रहा था। बाद में कार्सन ने न्यूजीलैंड को जीत दिलाई।

प्रोटियाज को एक बार फिर निराशा हाथ लगी और टीम 32 रन से हार गई।

आखिर चार साल बाद हार गई चैंपियन गढ़वाल

डीएसए प्रीमियर लीग-टू की विजेता गढ़वाल हीरोज को अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए तीसरे प्रीमियर लीग के एकतरफा मुकाबले में दिल्ली एफसी के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। हॉफ टाइम तक बिना गोल की बराबरी के बाद दिल्ली एफसी ने दूसरे हाफ में खेल पर पूरी तरह नियंत्रण बनाते हुए 3-1 से मैच जीत लिया।

पिछले चार साल में गढ़वाल हीरोज एफसी की डीएफसी के हाथों यह पहली हार है। विजेता टीम ने खेल के हर क्षेत्र में गढ़वाल को न सिर्फ अदना साबित किया, बेहतरीन गोल भी जमाए। विजेता के लिए जी गयारी, सजल बाग और आकाश तिर्की ने गोल किए। पराजित गढ़वाल का इकलौता गोल मिलिंद नेगी ने अंतिम मिनट में पेनल्टी पर बनाया।

दिन के पहले मुकाबले में भारतीय वायुसेना ने सुदेवा एफसी को पिछड़ने के बाद 2- 2 से ड्रॉ पर रोका। वायुसेना ने हमेशा की तरह एक बार फिर मध्यांतर के बाद अपने आक्रामक तेवर दिखाए और युवा खिलाड़ियों से सजे सुदेवा एफसी के साथ अंक बांटे। सुदेवा ने 40वें मिनट में जजों प्रशान के गोल से बढ़त बनाई और पांच मिनट बाद लामललियन के गोल से बढ़त मजबूत की। लेकिन अपने मूड के अनुरूप वायु सेना की टीम दूसरे हॉफ में आक्रामक नजर आए।

पुनीत सिंह ने 52 वें मिनट में गोल जमाकर संघर्ष में वापसी की। उस समय जब वायुसेना हार की कगार पर थी, प्लेयर ऑफ द मैच सैमुएल वनललपेका ने गोल दाग कर सुदेवा एफसी को हैरान कर दिया।

यशस्वी जायसवाल 1000 टेस्ट रन बनाने वाले सबसे युवा भारतीय

भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन एक कैलेंडर वर्ष में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले सबसे युवा भारतीय बन गए।

22 वर्षीय बल्लेबाज ने दिलीप वेंगसरकर के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1979 में 23 साल की उम्र में 1000 रन का आंकड़ा छुआ था। वर्तमान में, जायसवाल 2024 में सबसे अधिक टेस्ट रन बनाने वालों की सूची में इंग्लैंड के जो रूट से पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 14 मैचों में 1305 रन बनाए हैं।

इस साल जायसवाल के फॉर्म ने उन्हें केवल 10 मैचों में 59.23 की औसत से 1007 रन बनाते हुए देखा है, जिसमें दो शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं।

2024 में तीन और टेस्ट मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास भारतीय दिग्गजों द्वारा बनाए गए कुछ सबसे बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है।

सबसे खास बात यह है कि सचिन तेंदुलकर के नाम एक कैलेंडर वर्ष में किसी भारतीय द्वारा सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2010 में 14 मैचों में 1562 रन बनाए थे। वीरेंद्र सहवाग के 2008 में बनाए गए 1462 रन एक साल में किसी भारतीय ओपनर द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं।

2012 में बृज भूषण शरण सिंह ने मेरा यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की थी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह पर विस्फोटक आरोप लगाए हैं। हाल ही में जारी अपनी आत्मकथा "विटनेस" में पहलवान ने सिंह पर 2012 में उनका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

अपनी किताब में मलिक ने दावा किया है कि कजाकिस्तान के अल्माटी में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप के दौरान सिंह ने उन्हें अपने माता-पिता से बात करने के बहाने अपने होटल के कमरे में बुलाया था। हालांकि, कॉल खत्म होने पर सिंह ने कथित तौर पर उनका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की। मलिक का दावा है कि उन्होंने उन्हें धक्का दिया और रोते हुए कमरे से भाग गईं।

टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित अंशों के अनुसार, उन्होंने किताब में लिखा है, "सिंह ने मुझे मेरे माता-पिता से मिलाया। यह हानि-रहित लग रहा था। जब मैंने उनसे बात की और अपने मैच और पदक के बारे में बताया, तो मुझे याद है कि मैंने सोचा था कि शायद कुछ भी अप्रिय न हो। लेकिन जैसे ही मैंने कॉल खत्म की, उसने मेरे साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की, जबकि मैं उसके बिस्तर पर बैठी थी। मैंने उसे धक्का दिया और रोने लगी।"

उसने कहा कि वह इतने समय तक चुप रही क्योंकि बृजभूषण शक्तिशाली था और

उसे लगा कि वह उसका करियर खत्म कर सकता है। एक और परेशान करने वाले खुलासे में, मलिक ने अपने बचपन की एक घटना साझा की, जिसमें एक ट्यूशन शिक्षक ने उसे अनुचित तरीके से छुआ था। उसने दोष के डर से दुर्व्यवहार को छुपाया, बाद में अपनी माँ को इस बारे में बताया।

उन्होंने किताब में लिखा है, "बचपन में भी मेरे साथ छेड़छाड़ हुई थी, लेकिन लंबे समय तक मैं अपने परिवार को इसके बारे में नहीं बता सकी, क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी गलती है। मेरा ट्यूशन टीचर मुझे परेशान करता था। वह मुझे कभी-कभी क्लास के लिए अपने घर बुलाता था और कभी-कभी मुझे छूने की कोशिश करता था। मुझे ट्यूशन क्लास जाने में डर लगता था, लेकिन मैं अपनी मां को कभी नहीं बता सकी। यह लंबे समय तक चलता रहा और मैं इस बारे में चुप रही।" बाद में मलिक ने अपनी मां को इस घटना के बारे में बताया।

मलिक ने साथी पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया के साथ मिलकर सिंह के कथित यौन दुराचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

तीनों ने आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख शरण सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया। इस मामले की सुनवाई अभी भी दिल्ली की एक अदालत में चल रही है।

28 मई, 2023 को पुलिस द्वारा नए संसद भवन की ओर पहलवानों के मार्च को रोके जाने के बाद विरोध समाप्त हो गया। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद कुश्ती का प्रशासन संभालने वाली तदर्थ समिति ने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट दे दी, लेकिन साक्षी ने अपने सहयोगियों के सुझाव के अनुसार इस तरह का पक्ष नहीं लेने का फैसला किया।

आखिरकार, साक्षी ने प्रतिस्पर्धा नहीं की, जबकि विनेश को खेलों से पहले चोट लग गई और बजरंग हांग्जो में पदक जीतने में विफल रहे।

मलिक ने इस बात पर भी निराशा व्यक्त की कि फोगट और पुनिया के एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट स्वीकार करने के फैसले ने विरोध की छवि को धूमिल कर दिया, जिससे यह "स्वार्थी" प्रतीत हुआ।

नायरा बनर्जी शो चेकमेट के लिए तैयार

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नायरा बनर्जी तेलुगू, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में कई सफल शो देने के बाद अब अपने आगामी शो चेकमेट के लिए तैयार हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने शो में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की और कई खुलासे किए।

दिव्य दृष्टि और जुबान संभालकर जैसे टेलीविजन शो में काम कर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री ने साझा किया कि उनके शो में उनका किरदार उनसे काफी मिलता-जुलता है। शो रहस्यमय हत्याओं, रोंगटे खड़े कर देने वाले अपराधों और सस्पेंस से भरा है। शो में वह मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम नीलम है।

उनका किरदार शो में पति शेखर के साथ घुटन भरे विवाह के बंधन में फंस जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि शेखर काफी रहस्यमयी व्यक्ति हैं। नाखुश शादी के इस जाल से बाहर आने का संघर्ष, उनका लचीलापन, ताकत और शक्ति ही शो का सार है। शो के बारे में बात करते हुए नायरा ने कहा मेरा मानना है कि यह शो अपने आप में बहुत अच्छी तरह से शूट किया गया है। आज की दुनिया में इस तरह की धोखाधड़ी हमारे समाज में बहुत आम है, लेकिन हम कभी-कभी इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं या बात नहीं कर पाते हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि वास्तव में इस शो के किरदार ने मुझे इस भूमिका को जीवंत बनाने का मौका दिया। दर्शक देख सकते हैं कि शो हर एपिसोड के साथ अपने रहस्य को कैसे उजागर करता है।

शो में नायरा बनर्जी के साथ शालीन मल्होत्रा, रोहित खंडेलवाल और अरफीन अल्वी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। नायरा ने शो को फिल्माने के दौरान अपने सबसे कठिन शॉट को साझा करते हुए कहा मेरा मानना है कि एक रहस्य ड्रामा को फिल्माना अपनी अनूठी चुनौतियों के साथ आता है, क्योंकि दर्शकों के लिए एक रोमांचक और रहस्यपूर्ण अनुभव बनाना हमारी जिम्मेदारी है। सबसे कठिन सीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि इनमें से सबसे कठिन हत्या का प्रयास वाला सीन था।

उन्होंने कहा हमें यह सुनिश्चित करने और सीन को सही तरह से करने के लिए कई बातों का ध्यान रखना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि परिणाम असाधारण रूप से शानदार रहे।

मलाइका अरोड़ा आइटम गर्ल से बनीं सफल एक्ट्रेस

मलाइका अरोड़ा ने अपनी मॉडलिंग से देश में तहलका मचा दिया था। वह भारत की सबसे पॉपुलर मॉडल हैं। सांवली-खूबसूरत मलाइका कमाल की दिखती थीं। मलाइका पिछले 28 सालों से शोबिज का हिस्सा हैं। जब वह रैंप पर चलती थीं तो लोगों के दिल थम जाते थे, लेकिन आम जनता के बीच पहचान बनाने के लिए उन्हें बॉलीवुड में कदम रखना पड़ा। मलाइका ने अपने कातिलाना फिगर से रैंप पर कहर ढाया। मलाइका ने अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कई विज्ञापनों और म्यूजिक एल्बम में काम किया। उन्हें असली पहचान शाहरुख खान के साथ 'छैया-छैया' गाने से मिली। मलाइका ने चलती ट्रेन में किंग खान के साथ डांस कर पूरे देश को नचाया था। कांटे फिल्म के गाने 'माही वे' ने भी उन्हें रातों-रात भारत में स्टार बना दिया। इसके बाद मलाइका को आइटम गर्ल का टैग मिल गया। लोगों ने मलाइका को सबसे ज्यादा 'दबंग' के गाने 'मुन्नी बदनाम' में पसंद किया, जिसमें सलमान खान ने अपनी भाभी के साथ डांस भी किया था। मलाइका अनारकली डिस्को चली' और 'होंठ रसीले' जैसे गानों में भी नजर आईं। फिर जब ऐसे गानों की आलोचना होने लगी तो मलाइका ने आइटम सॉन्ग करना छोड़ दिया। दीवा ने सलमान के भाई अरबाज खान से शादी की। दोनों का एक बेटा अरहान है। हालांकि, अचानक मलाइका ने अपनी 14 साल पुरानी शादी तोड़ दी और अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में आ गईं। मलाइका ने अपनी टूटी शादी और अर्जुन कपूर से ब्रेकअप का दर्द बखूबी झेला है। वैसे तो मलाइका इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर फैशन डीवा हैं। उनके ग्लैमर और बोल्डनेस के आगे सब कुछ बेकार है। मलाइका खुद को रेगुलर जिम वर्कआउट, योगा और परफेक्ट डाइट से मेंटेन रखती हैं।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

श्रद्धा कपूर विविध भूमिकाएं चुनने से प्रतिभा दिखाने का मौका मिला

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर, जो वर्तमान में अपनी नवीनतम रिलीज "स्त्री 2" की सफलता का आनंद ले रही हैं, ने बताया कि वह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा सितारों में से एक क्यों हैं। श्रद्धा ने कहाः "मेरा मानना है कि उद्योग में मेरी वृद्धि कई कारकों के संयोजन से हुई है। विविध भूमिकाएँ चुनने से मुझे अपनी बहुमुंखी प्रतिभा दिखाने और व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका मिला है।" हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में कल्कि लेबल के लिए रनवे पर चलने वाली अभिनेत्री ने कहा कि प्रामाणिकता मुख्य घटक है।

मेरे प्रदर्शन और बातचीत में प्रामाणिकता बनाए रखने से प्रशंसकों के साथ वास्तविक संबंध बनाने में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, निरंतर सीखने और आत्म-सुधार के प्रति मेरी लगन ने मुझे एक अभिनेता और एक व्यक्ति दोनों के रूप में विकसित होने में सक्षम बनाया है," अभिनेत्री ने कहा, जो अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी हैं। "स्त्री 2", जिसने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया 600 करोड़ बेंचमार्क, मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है और 2018 की ब्लॉकबस्टर 'स्त्री' की अगली कड़ी है, जिसमें राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी हैं।'

37 वर्षीय अभिनेत्री ने हाल ही में क्लिक होने से बचने के लिए शटरबग्स पर एक मजेदार प्रैंक किया और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के नाम का इस्तेमाल किया। रवीना टंडन की बेटी राशा के साथ डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी से बाहर निकलते हुए श्रद्धा का एक वीडियो। दोनों को पपराजी लोगों के एक समूह ने घेर लिया था, जो श्रद्धा की एक झलक पाने के लिए तरस रहे थे। अभिनेत्री को मजेदार तरीके से बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान का नाम जोर से लेते हुए सुना जा सकता है ताकि शटरबग्स का ध्यान भटक जाए ताकि वह कार की ओर भाग सकें।

श्रद्धा को यह कहते हुए सुना जा सकता है अरे वो देखो शाहरुख खान। शाहरुख खान। अभिनेत्री की बात करें तो उन्होंने 2010 में तीन पत्ती से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। उनकी पहली हिट फिल्म आश्की-2 थी। इसके बाद उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उन्होंने हर छोटी अवधि के बाद हिट फिल्में देना जारी रखा। पिछले कुछ सालों में उन्होंने स्त्री, स्त्री-2 और तू झूठी मैं मक्कार जैसी हिट फिल्में दी हैं। श्रद्धा ने हाल ही में रिलेशनशिप में होने की बात स्वीकार की और कहा कि उन्हें अपने पार्टनर के साथ समय बिताना पसंद है। आगे की खबर यह है कि श्रद्धा धूम की चौथी किस्त में रणबीर कपूर के साथ काम करती नजर आएंगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes